સલાસણગાર

૨૦૧૪ યાને

મજમઉલ જવાહર.

ભાગબીજો. ૨

સરવે શોકી વાંચનારને સારૂ
ઉરદૂ ઉપરથી સારી રીતે સુધારીને
તેનો ત્રણ ભાગ કરીને ગુજરાતી
ફરઝ બનાવીને શેઠ કરીમજી
મુસાજીએ પોતાના હૈદરી છાપ-
ખાનામાં પેહલીવાર છાપીને
પ્રસિદ્ધ કર્યો.

મુકામ મુંબઈ.
સન ૧૨૯૩ હીજરી.
સંવત ૧૯૩૨ના વિક્રમાજિત.
સન ૧૮૭૬ ઈસ્વી.

रदीफ़ सीन की

ग़ज़ल नंबर १३७

ले चलो यारो मुझे, मौदना, दिलदार के पास;
जाके है ज़िंदगी बे यार न हो यार के पास.

नरगिसी चश्म का मत रंज दिले, बीमार ख़याल;
यार बीमार को रखते नहीं, बीमार के पास.

ज़ुल्फ़ कहता है तो कुछ पर ज़रा छितवन कीजे;
रक्खो क़ातिल मुझे तुम अपनी ही, दीवार के पास.

जी में आता है के, अब तेस जहल, जोगी का;
धूनी दे बैठिये अब कूचे, युवां यार के पास.

अब ख़याल उसका सर अबरू यार करे है माहर;
राह कुदम रंजह करे न किसी नागा के पास.

ग़ज़ले छिनवा

हूँ मैं छिये सहलीम, हो के क्य
यारे तनहा छि, और तुझे

क़ैस लैलासे मिल गया, शायद;
नहीं ख़ाली है, आज आंगे नरस.
राजने मैं उनसे राहमें लिपटा.
ज़ोरे हाकिम रहा न, ख़ौफ़े असस.
हाथ पाउं कुछ कुछ, ऐसी के बस;
उनकी उंगलीकी, चढ़ गई नर नस.
लगी कहने के मेरे दामनको;
नहीं अबतक किया किसूने मस.
सुईल बल अयगा मेरे ली सरक;
अरे मैं आग और तू है फ़रस.
अब ये समझी के, छोड़ता ही नहीं;
तब तो हेरी के देने, बोसे दस.
गिनके दस लेले, ग्यारहवां न सही;
हमको पीरे करे, निया दह, हपरस.
एक दो तीन चार, पांच छ सात;
आठ नव दस हुवे, बस ख़नरोश बस.

ग़ज़लेरोहीद. १३९

तेरे परसे गड़ने लगो [illegible]
[illegible]
[illegible]

जलीतो लरस जलीलो लरस, जलीलो लरस जलीलो लरस.
कोई डारयां ली गया, मगर मुझे नहीं कुसयुं खोलउठा;
यो: मजन अरस, यो: मजन अरस, यो: मजन अरस, यो: मजन अरस.
तेरे गमने डाकू सुरीदा, सर मेरे लगन मेरे कुलन पर;
नडेमरकोडस, नडमरकोडस, नडेमरकोडस, नडमरकोडस.
नचली किसूकी कुसूं गरीके यो: जुल्फ सांपसी निस घडी;
गये दिलकोडस, गये दिलकोडस, गये दिलकोडस, गये दिलकोडस.
तुझे देखा निस्नें है ये परी, खुदा किसी को न लरे की;
नरही हुयस, नरही हुयस, नरही हुयस, नरही हुयस.
तू **राहीद** अपने सिय हुसे कहु यो रागाम पीते हैं निसकाग -पु;
यकी नजरस, यकी नजरस, यकी नजरस, यकी नजरस.

गजले मोहकम १४०

मुझे हई है तेरा असनम, कहूं अर्क माह यह किसे खबर;
नमिलाहरस, नमिला हरस, नमिला हरस, नमिलाहरस.
युं मुडार उठा तेर दरपे रोज मुझे यार कहके यो: वारलकन;
तेरा आकजरसस, तेरा आकजरसस, तेरा आकजरसस, तेरा आकजरसस.
तेरे हिजरमें मुझे ऐ सनम, यहां भूरे रोते दो माहकम;
हुये दो जरस, हुये दो जरस, हुये दो जरस, हुये दो जरस.
तपे गमके आते उठा लडके, खुदा सनम [illegible];
नपिया यरस, नपिया यरस, नपिया [illegible].

मुझे बज़्ममें मोहकम के हुआ, यहीं अकड़करके लिपटगया
करो आरोफ़ेस, करो आरोफ़ेस, करो आरोफ़ेस, करो आरोफ़ेस.

ग़ज़ले शाहिद. १४१

न होगा मुझसा दुन्यामें, कोई नाकाम सौ सौ कोस;
के मतलब भागता है, सुनके मेरा नाम सौ सौ कोस.
हमारी राहलसे बेख़बर हैं, अबके थाके ये हम हम;
बुलाते थे हमें ले लेनकर पैग़ाम सौ सौ कोस.
मुबारक हो तुम्हें ये हमसफ़ीरो सैर गुलशनकी;
हमारी राहमें दाम कुम्हे हैं, दाम सौ सौ कोस.
निकाला आस्मांने जिस घडी, कूचेसे अनां के;
कुचाथा नातवानो ग़मके, हरहर गाम सौ सौ कोस.
मरीने इश्ककी, अपने ख़बर ले, जब ये आलिम;
कुछ है दूर उससे ताकतो आराम सौ सौ कोस.
न अंके दिन ज़िकरन थी, आके मेरी रहनुमाई की.
अरदसाकी रहमें मुझसे, ता शाम सौ सौ कोस.
ग़ज़ब है हालसे अपने नहीं, याकी है वो अबतक.
शाहिद अब किसकी ख़ातिरसे, कुंज वहनाम सौ सौ कोस.

ग़ज़ले बहर. १४२

मुझे [illegible] मेरी आक़बत बनी अदु सोरस;
[illegible] नमाजी अदु सोरस.

दास्तां दर्दकी अपनेमैं, कहूं किस आगे;
कोई सुनताही नहीं, मेरी कहानी अफ़सोस.
दिल अगर कहनेमें होता तो येह क्युं होता.
है बग़लमें ली मेरे दुश्मने जानी अफ़सोस.
આંખોઆંસુથીભીનાવાળી · ગળાઉંઝાંગળી · ઘેરાસુર્ક · રંગવાળો · ફુટવા ફીકી
चश्म तर औ. दामन पुरखूंये लब ज़रदिये रंग;
येह मिली दादे महब्बतकी, निशानी अफ़सोस.
रहम आता है रक़ीब देख तेरा हाल मुझे;
मुफ़्त बरबाद गई तेरी जवानी अफ़सोस.

रदीफ़ रीननी.

ग़ज़ल सिराज-१४३

દારૂનુંપાપ
किया शराबे महब्बतने, दिलके खुममें जोश;
अजब नहीं जो क़ियामत, तलक रहूं मदहोश.
રાત્રીદીલ્લી
ग़ज़बके हुस्नके ख़ुरशीदकी, फ़ीतनतसे;
પડદે · વાદળાં · મોં છુપાડનાર
हुवा है चांद निक़ाबे, सहाबमें रूपोश.
શિવાય · મેહરબાની · મલમની
नहीं इलाज ब जुज़ मरहमे, नवाज़ि शोखुक़;
બુલંદે · શૂર · બહીર
नहींके ज़ख़्मसे डरता है, दिल कुशांनो फ़ुरारी.
ભૂંગળ · જાગનાર
न होवे सूर क़ियामतके, शोरसे बेदार;
બેહુશીનાર
जो कोई ख़्यालमें उस चश्मके, हुवा बेहोश.
બરોબર
तेरे दो ज़ानूपे हम सरको देके यां हूं;
सुना नहींकु कहीं दो ख़याल, होश अदीब.

अफ़सुरदह दिल हूं ज़मानेकी, बेमोहरीसे;
अजब नहीं है अगर, मिस्ले शम्अ हूं ख़ामोश.
कमंद अक़्लसे आला है, मिसाले सिराज;
जो उसकी ज़ुल्फ़के ज़ुन्नार का है, हल्क़हबगोश.

ग़ज़ले यक़ीन. १४४

रात दिन ख़ूबांको है दिल चाय, मजनुं का तलाश;
रोज़े शबलैलीको था दरपैरा मजनूं का तलाश.
अपने रंगीसे गली तेरी को, भरी हद कर दिया;
मर गये हैं हम कर, ऐस यरमे पुर ख़ूं का, तलाश.
जिस तरहसे ढुंढते हैं, लोग, ख़ातिर हामे शाह.
इस तरह रहता है, मुझको अंने मजनूं का तलाश.
ऐसी मेरी लग रही है सायरों की जुस्तजु;
जिस तरह होता है, मइयूनी को मइयुं का तलाश.
शायरी है लइले मानासे परे लेकिन यक़ीन;
कौन समझे यहां तो है इल्हाममें मज़मूं का तलाश.

ग़ज़ले शाहेनइर. १४५

जाहीन दिखा जनममें, तुजमकी गरदिशी;
याद आती है यरीने ज़ुले, ज़ुदआमकी गरदिशी.
ये कीया न मेरे पास ये: आया महेताजां;
जादूकी नही खेद मेरे कामकी गरदिशी;

ફિરતી હૈ મેરી ખ઼ાક, બગોલેમેં હમેશા;
જબતક કી મેરે સાથ હૈ, બેયાબાંકી ગરદિશ.
આંખોંકે તસવ્વુરમેં, તેરે સ્યાહ, મેં લિખતા;
ખ઼ામાને મેરે નજ દમે ઘેરકામકી ગરદિશ.
મય ભરતે હી સાક઼ીકે નજ઼ર દૂર ગયા જામ;
ક઼િસ્મત હીમેં થી રિંદે મય, આરામકી ગરદિશ.

રદીફ સ્વાદની.

ગ઼ઝલે રંગ. ૧૪.

મરતબા હક઼ે દિયા હૈ, તુમકો ખ઼ાસ;
તુમસે રખતા હૈ, દિલ મેરા, ઇખ઼લાસ.
ગૈરકી જા મેરે, દમાગ઼ નહીં;
ઉન્સે દિલ અજબ હૈ, ખ઼ાસુલખ઼ાસ.
હાલે તક઼લીદ હૈ, તાલિબે દુન્યા;
નિસ્તર હક઼સે બના હુવા રક઼ાસ.
આપ બિના ઇતફ઼ના હોયે પનાહ.
મુસ્હફ઼ રૂ હૈ, સૂરએ ઇખ઼લાસ;
બહરે માના મેં, ગ઼રક઼ે હોગા રંગ;
હાથ આયા સુખ઼નકા, હો ગવ્વાસ.

ગઝલે ઈનશા - ૧૪૭

ક્યું ન દિલ દૂં ઉસે, દુન્યામેં નહીં, એસા શખ્સ;
યારો દેખા ભી હે, દુન્યામેં કહીં, એસા શખ્સ.

મેને દરયાએ નઝાકતમેં, ન દેખે ક્યું કર;
જિસ ઘડી ગુસ્સેમેં હોવેંગી, બનજી એસા શખ્સ.

(થરથરી જવું)
જિસકી સુરતકી તરહ દેખ, લિ થકડી સબ બખ્તે;
(સરદાર)
પાહિયે જનમમેં હો સદ્દર, નિશી એસા શખ્સ.

કોઈ મુમકિન હે, ભલા બન જાયે, દેખે તો;
(કીનો)
દોસ્તો સબકે હુવા, બરસરે કી, એસા શખ્સ.

ક્યું જરા બાત ન હો, બાનમે ઈસ્લામ ભલા;
(દીનનો ડુબાડનારો)
હોને બુતખાનેમેં ગારતગરે, દીં એસા શખ્સ.

સબ મકાનાતસે ફિર ક્યું ન, શરહ હો દિલકો;
(રેહનાર)
દેખ જિસ દિલમેં હો, સાલજ્જાં મકી એસા શખ્સ.

(વસનારો) (ગલી) (આશુક)
આશિકોને તૂને સનમ જાના હો, કબ રબે હૈં;
હમસે ગુલરોને ફિર દોસ્ત, બની એસા શખ્સ.

(ખુશી)
યારબ ઈનશાકો સદા એશો તરબમેં રખના;
(ગમગીન)
કેહ કે બેરે ફૂલકસે હો હૂં એસા શખ્સ.

ગઝલે સિરાજ ૧૪૮

(મન ધરાવનાર)
[illegible] નહીં, [illegible] પાસ;
(સીનેકી)
[illegible] હે, [illegible] પાસ.

तुझ इश्क़का मकीन है, बेताब दिल मेरा;
दे मै तस्कीन, वस्लसे उसको, दयाए ख़ास.
मुझको न बूझ दिलमें, दुने आशिक़ों मिसाल;
सब मुब्तलाए आम है, मैं मुब्तलाए ख़ास.
जुज़ ग़म नहीं रफ़ीक़, मेरा कुंजे हिज्रमें;
दरदे फ़िराक़ मुझको हुवा, आशिनाए ख़ास.
थी तिश्नगी विसालको, कौसरकी आरज़ू;
दीदारका है शरबत उसे, मुदआए ख़ास.
मुझपर निगाहे करम है, और लुत्फ़ आमपर;
है दिल पसंद मुझको, सनमकी अदाए ख़ास.
ऐ रूए तेरे हुस्नका परवाना है सिराज;
तेरे सिवा नहीं है, उसे दिलरुबाए ख़ास.

ग़ज़ले सोज़ १४९

आसूदा दौर चर्ख़ नहीं, आशनाए हिर्स;
दिलमें फ़क़र दफ़ह किया, गदाए हिर्स.
कर मुंहको दुई ख़ाके, क़िनाअत यह आलमान;
रहती है आग तरफ़की, आइत कहाए हिर्स.
इनसान हो ज़लील, ज़मानेके हाथसे;
ख़िलअत किसीको कोई न देवे सिवाए हिर्स.
अपने सिवा किसीको न पाया, क़रीब है;

વેતરણી જમાનો

की क़त्ल रोज़गारने मुझपर क़यामते फ़िराक़.

युरो

अपड़ाल कर तरह़से, अफ़ूजी असरको सोज़ ;

पर दरमियान होवे, अशारते पाये फ़िराक़.

रदीफ़ज़ायहनी.

ग़ज़ले छनरीआ. १५०

लेकी-सुइ़ा न दिलको तूझे बेवफ़ा ग़रज़ ;

आये जो मेरे पास, तुझे अब सो क्या ग़रज़.

अपनी गलीमें देखके, केहने लगा मुझे ;

क्या मेरेपास आनेसे तुझको भला ग़रज़.

क्या फ़ायदा है किस्लिये, आशिक़के पासने ;

ફાયદા મતલબ

मुझिज सजन हुसूनतों, कुछ मुद्दआ ग़रज़.

લોભફુલ

मुतलक़ न आशिनाछि ये, दुन्यापे उर घमंड

जाहेर परस्त होले हैं, सब आशिना ग़रज़.

તરન

छनरीआ ख़याल यह़ज़ है, उस्पर न भूलयो ;

हरगिज़ किसीके साथ नडाले, ख़ुदा ग़रज़.

ग़ज़ले सिराज. १५१

मायेल हूं गुल अदनको, मुझे गुलसे क्या ग़रज़ ;

એ નામનું એક ફુલ

कांकुलमें उसके अंर हूं सुम्बुलसे क्या ग़रज़.

भूली दिलोंके क़त्लको, सीधी निगाहे नाज़ ;

ટુંકાણી તકૂબત ફરવી

उस तेगको दिमाग़, तग़ाफ़ुलसे क्या ग़रज़.

જસ હૈ ગુબારે રાહે, લિબાસે શાહનશાહી;
સુલતાને બેખુદીકો, તનમુલ્કસે ક્યા ગરજ.
હમને મજે મલસ્તસે જે ખુદ હૂં મે સિરાજ;
દોરે શરાબે શીરીંજે પુરમુલ્કસે ક્યા ગરજ.

ગઝલે સૌદા. ૧૫૨

છોડા મૈ કુફ્રો દીં હૈ, ફકત યારસે ગરજ;
તસબીહસે ન કામ, ન ઝુન્નારસે ગરજ.
સીનેમેં દિલ જો હૈ, સો તેરી યાદકે લિયે;
ખુશ દીદ ક્યા હૈ, દીદજે રૂખસારસે ગરજ.
તૂબાકી છાંઉ તુઝકો, મુબારક હો જાહિદા;
હૈ દિલકો અપને સાયએ, દીવારસે ગરજ.
તુમ કાન ધર સુનો, ન સુનો ઉસકે હરફકો;
સૌદાકો હૈગી અપની હી, ગુફ્તારસે ગરજ.
મુઝકો કુછ ઔર ફિકર, યહાંકે લિયા નહીં;
દીવાનગી સુનૂ કો ન, હુશિયારસે ગરજ.

ગઝલે યકીન. ૧૫૩

હુસ્ન સુને નજર મુજ મગરૂર, દીવાનેકી અરજ;
નહીં પોહોંચતી કાનતક ઉસ [illegible]
ગરમી અફલે [illegible], મહશરમેં [illegible] દાગ.
રાહમકી ફિદમતમેં હૈ, [illegible]

रशीदा मुझ दिलसा न पावे और तेरी आंखोंसा ख़ुम
म;
દારૂનુ પીઠુ
की अगर साक़ी हमारा साथ, मैख़ानेकी ज़रूर·
दिलको वीरां मतकरो, यह है जुनूंका पाये तख़्त;
ऐ परी अहदं उलु सुनतेथे, दीवानेकी ज़रूर·
અહંકાર માળી
ग़ुरूर अली है यही और बाग़बांसे येह प्यार;
कोई करता नहीं हमारे बाग़में आनेकी ज़रूर·

रदीफ़ तोयनी·

ग़ज़ले मौलवी अब्दुल्लाह· १५४

ऐ करे तेरी ज़ुल्फ़के सियहपे नज़र होवे अंकहीं दममें वोः हम
ब ग़लत;
કાળો સાપ (અરબ)
जिसे मारे सियहका हो न ज़हर असर करे कयुं न वोः होशोकदम
ब ग़लत·
नहीं तुझको ग़रज़ कुछ, तीरोकमां युंहीं मुफ़्तमें ले तू हाथ रोकी
अमन,
तेरा तीरे निगाह है, और अबरूकमां ऐकरे सके तुरके अजम
ब ग़लत;
नहीं चश्मे है तेरा गुनाह नज़र, नज़रा मारे कोई हमे यूंनो यरा;
ગમ
कहां उसका ज़िसासरहियत है, ल्ला, अरे है आप ही आपमें हमअ
ग़लत·
हमो मुअल्लो गुलका ले आफ़्ताब ज़मन कैसे करते हैं मिलके येः याह
अहम,
नहीं कोई है उनमेंसे [illegible] अजम, ले कोई लो कुरानो कुसम च
ग़लत·
[illegible] वस्लेकरमसे तुरेअ ऐयार तेरे हिज्रमें तडपूं मैं आठोंपहर;
[illegible] ज़िल्लिले मुग़, ऐयारसे उधर नज़र उसे तु ऐतंनाज़ितम
ब ग़लत·

ग़ज़ले निराज़· १५५

[illegible] अपने आरज़ूमे मुरके जुतने ग़लत;

હૈ તુઝ લબોંકો દેખ, અક઼ીક઼, યમન ગ઼લત.
બુલબુલને દેખ બાગ઼મેં રૂખ્સાર ગુલબદન;
ફરબ્ કિયાં કે રંગરૂએ, બરગે સમન ગ઼લત.
બેઠે ચમનમેં વાદા ખિલાફીકે બોલ બો;
હરગિઝ઼ ન બોલ બોલ એ શીરીં દહન ગ઼લત.
ડરતા હું તુઝ લબાંકી ઈશારતસે દમ બદમ;
હોતા નહી હે સૈફ઼ ઝ઼બાંકા સુખન ગ઼લત.
હૈરાન હે એ સિરાજ઼ કે ફ઼ાની હે સબ જહાન;
મજ઼લીસ ગ઼લત હે, બઝ઼્મ ગ઼લત, અંજુમન ગ઼લત.

ગ઼ઝ઼લે સોઝ઼. ૧૫૬

જબ જ઼રર કરને લગા, દિલકો બુતાં કઈ ઈફ્તેબાત;
રખતો હે ઈન બેવફાયોંસે કહાંકા ઈફ્તેબાત.
અબ કોઈ હમકો બચાયેગી, ખિઝ઼ાં યહાં આકે ઘૂમ;
અંદલીબાં છોડદો, તુમ ગુલસિતાંકા ઈફ્તેબાત.
નાકિસાંકી દોસ્તી રેહનો, ઈમાંકો ઉજાડ;
પૂછલો જાકે ગુલિસ્તાંસે, ખિઝ઼ાંકા ઈફ્તેબાત.
બાગસે જસ્ને બનાયા, કુદરતે ઈનસાનકો;
રૈન ગર ચાહે તો કર ઉસ બાગ઼ બાંકા ઈફ્તેબાત.
સોઝ઼ જે મત દિલ લગાઓ મુર્શીદીકો બચલાબોંસે;
હાકિરી લે હે ઝ઼કાકે મેહમાંકા ઈફ્તેબાત.

रदीफ़ नूनकी

ग़ज़ले यक़ीन १५७

या बुतोंके बज़्ममें, आनेका हज़ ;
हमको ख़िदमतका उन्होंके काम फ़रमानेका हज़.
दर्दमंदोंको नहीं है, वस्लमें राहत नसीब;
दिलजलीको शम्अके मिलनेसे परवानेका हज़.
जिस्तरह गुल हंसता है, उस्तरह बुलबुलका दि-ल;
क्या रहा गुलचींके हाथों बाग़में आनेका हज़.
जो निकलता है मेरा उस्पर, के कब आयेगा हाथ;
यारके पांउपे सरको रखके, मरजानेका हज़.
पूछता है मुझ कैफ़ियत, नज़रकी यक़ीन.
उस निगाहे मस्तसे लेता है, मैख़ानेका हज़.

ग़ज़ले हाल १५८

सुर्ख़ जोड़ा सजके निकला घरसे दिलबर अल्हाल;
आग रखता है ये: किस किस्के जिगरपर अल्हाल.
दिलये होता है, क्या रहती है या जाती है जान;
जिन दिनों बिगड़ा है, हमसे कीना मेरेपर अल्हाल.
तेरी ये: टेढी निगह और लेगी जानके दिल कर;
जाके जाके जोश पेहले है, बहार अल्हाल.
[illegible] हमैं की तुम्हरे दिल मुहब्बत इश्केयार;

साकिने कूचे सनम कहते हैं, अकसर आपको हीज़.

हाज़ उस ना आश्नासे देखिये, क्युंकर बने;

आज कहते हैं पुकारेंगे पयंबर आपको हीज़.

रहीईमैननी.

ग़ज़ले यक़ीन. १५९

दिल जुनूंका आन पोहंचे, हारीयारां अलवदाअ;

इस्ले गुल नज़दीक आहि है, गिरेबां अलवदाअ.

मैं कहुं रुख़सत के अबके, साल जाथें आरीयां;

जागबांका हुकम यूं है, अे गुलिस्तां अलवदाअ.

मेकदेसें कस्द मैकेका, कियाहैं क्या करें;

तोबा हमसे होगइ अे, मय परस्तां अलवदाअ.

हमरेसे था वीराना, कुक आबाद, सो हमतीयाने;

अब जुदा हाफ़िज़ तुम्हारा अे ग़ज़लसां अलवदाअ.

नातवानीसे हिसें अब और नज़ाकी ताबनें;

अब यक़ी जुदा हुया है, नय नयानां अलवदाअ.

ग़ज़ले सियाह. १६०

तुझ मुञ्हकी ताब देख, कुछ बेक़रार शम्अ.

जलती है जलमें ठीकमें, परवाना वार शम्अ.

अज़बसके तुझ ख़यालमें है, यहिमें फूंदिशां;

फ़ानूसमें ये आंखों केहूठि, गुल हज़ार शम्अ.

આ બઝમે આશિકોમેં શિતાબીસે મુજ્હ તૂ;

આંસુ પાડનાર.

હર રોજ તેરે ફિરાકમેં હૈ, અશ્કબાર શમ્અ.

તૂ ખતકે રૂખપે ઇસ જલે, રૈહાંકો દેખકર;

જલતી હૈ આજ દૂદસે જલે, ગુબાર શમ્અ.

પરસીનો.

ચેહરેસે ઉસકે નૈં હૈ જનજ, ગર અરક ચલે.

દેખેસે હોકે કુરબકો હૈ, શરમસાર શમ્અ.

શરમીંદા.

તેરા જમાલ દેખકે ફૂજાં, હુએ ખજલ;

જે નૂર હૈ સૂરજકે જુંઆગે હજર શમ્અ.

દેખા હૈ જબસે ઉસ ગુલે રૂખસારકો સિરાજ;

કાંટો.

આંખોંમે હૈ પતંગકે, માનિન્દ ખાર શમ્અ.

રદીફ ગૈનની.

ગઝલે મીર તકી. ૧૬૧

જુઠ. જુઠ.

હમ ઔર તેરી ગલીસે, સફર દરોગ દરોગ;

કહાં દિમાગ હમેં ઇસ કદર, દરોગ દરોગ.

જુદાઈ દુશમની.

હમ ઔર તુમસે મહબ્બત તુમ્હેં જિદાઈ જિદાઈ;

તુમ ઔર પુછો હમારી ખબર, દરોગ દરોગ.

રોશની. સાચી.

ફરોગ કુછ નહીં દાવેકો, સુબ્હ સાદિક કે;

વાયુ

શબે ફિરાક કો કબ હૈ, સહર દરોગ દરોગ.

નોખા.

ગલત ગલતકે રહે, તુમસે હમ તુનુક ગાફિલ;

હમ ઔર ઉલ્ફતે ખૂબે દિગર દરોગ દરોગ.

કિસીકે કેહનેસે મત બદશુમાં હો મીરસે તૂ;
યોઃ ઔર ઉસ્કો કિસીપર, નજર દરોગ દરોગ.

ગઝલે સિરાજ. ૧૫૨

પાયા હૂં ઘિસ જહાનમેં અજબ યાર બે દરેગ;
હૈ જિસ્કા નામ જગમેં સિતમગાર બે દરેગ.
બે દર્દ અગર મિલે જો કિસી દર્દમંદકો;
ઐસા મુઝે મિલા હૈ યોઃ દિલદાર બે દરેગ.
ઉમ્મીદ હૈ તેરેસે સજન મેહરકી નિગાહ;
લગે જફાકા મુઝપે જકર યાર બે દરેગ.
હો આશનાથિ મેરેસે, બેગાના હો ગયા;
દિલ લેકે ક્યું કિયા હૈ, ફિર ઈનકાર બે દરેગ.
યાં ઝુકા મેરે ખૂન તેરે ગમસે બે સજન;
મનસૂર હો પલકપે યેઢા, દાર બે દરેગ.
યેકબાર અપને પ્યારસે ફાલે સિરાજ પૂછ;
કુછ ખૂબ નૈં લગા કુલે ફરબાર બે દરેગ.

રદીફ કેની.

ગઝલે સોઝ. ૧૫૩

બંદગી આખિર હુઈ, આયા ન યોઃ દિલદાર કેઈ;
મરતે મરતે ભી ન દિખલાયા, મુઝે દીદાર કેઈ.
મૈં ભી બંદહ થા, અગર મિલતે તો ક્યા, જાતા બિગ-
ડ

पर तेरे दिलमें न आया, हैफ़ मेरे यार हैफ़.
ले चले दुन्यासे हम अरमान, तेरे वस्लका;
गोरमें निकलेगी ये आवाज़ के ऐ यार हैफ़.
फ़ुर्क़ते सूरतको है लाज़िम मेरे प्यारे फ़ुर्क़ते ज़ुल्फ़;
ये: तेरी सूरत हुलानी, और ये: अतवार हैफ़.
शेर पढना बात करना, मुस्कुराना अब कहां;
सोज़के मुंहसे यही सुनते हैं लाखों बार हैफ़.

ग़ज़ले सिराज़. १६४

मीसाले ह़ल्क़ए, नज़र है ज़ुल्फ़;
बलाये जाने, हर नख़्चीर है ज़ुल्फ़.
क़ियामत जग फ़सादी ने है मुमकिन;
दिले आशिक़की दामनगीर है ज़ुल्फ़.
कुछ हल मुश्केलात, सूर ऐ नूर;
किताबे क़ुरनकी तफ़सीर है ज़ुल्फ़.
दिया है सद्क़ए, रुख़्सारको नेम;
अजब ये: ज़ुल्फ़नुमा, तहरीर है ज़ुल्फ़.
नसीबे ये हम है, ख़ाबे परेशां;
सिराज़ आज ख़ाबकी ताबीर है ज़ुल्फ़.

ग़ज़ले ग़ुलामे अहमद. १५५

मक़तबे इश्क़में हासिल नहीं, होता येक हर्फ़,
गर करे उम्र तमाम अपनी इसीमें बस सर्फ़.
इश्क़का इल्म है, ऐसाके नहीं उसको कनार;
जो के तहसील करेगा वोही, पायेगा शर्फ़.
ख़तरे अजरूपे कर, उसकी निगाह क्या मुमकिन;
किसका मक़दूर है, और किसका मियां हैगा ज़र्फ़.
यसैहा इश्क़ने ज़नम अनुक़ है यसैल सब.
क्या क़यामत के ये: दिन रात है, बस दोनों शग़र्फ़.
अहमद अब इश्क़की आतशसे सरापा है गुदाज़;
ताबे फ़ुरक़तसे नैसाके पिघलता है ज़र्फ़.

रहीद काइनी.

ग़ज़ले इतरा. १५६

खोले जब चांदसे उस मुखड़ेका, घूंघट आरिफ़;
क्यु न फ़िर लेवे बलायें तेरी घर घर आरिफ़.
नहीं मालूम अजब तुमने ये: क्या पढ़ फूंका;
के तुझे देखते ही होगये, सर पर आरिफ़.
भागते फिरते हैं कुछ और, उठाता है मज़ा;
जोके छड्यां तेरे हाथोंसे, सरासर आरिफ़.
मैं कभी तुम करो गैरोंसे, अहम और अपने;

ઘૂંટ લોહૂકે પિયે કયું ન, ગરાગર આશિક.
ઘરસે બાહેર નિકલ આપ્હૂલસે અપને સરકે;
સુર્ખ કરતા હૈ મગર ન, તેરી ચોઅર આશિક.
છિપકે કયા મૂંહ હૈ આંખે, અરે બસ તોહે બોલ;
તાડ ભલા હૈ તેરે પાંઉકી, આહૂર આશિક.
આઈ સબ સૈરકો બે બાગે હેરમકી પરયાં;
સો કુછે દેખકે તેરા ચેહ, છપરજર આશિક.
એ નસીમે સહરી ઉસસે યે: કહિયો કે તેરા;
રાતભે જબતો બહલતા નહીં, કરપર આશિક.
એક ગઝલ ઔર નએ, ડાઢિયાંમે કરુ હનરીઆ;
જિસકે સુનૈને હો માશૂક ભી ઝરપર આશિક.

ગઝલે સિરાજ. ૧૬૭

હૈ તસવી જબ્રી બજસે પરલચે અસરારે ઇશ્ક;
સબ્બસ મેરા દિલ હુવા હૈ, મતલએ અનવારે ઇશ્ક.
પાગયા હૈ ચેહરમે મકસૂદકો લેલીકે ચાહ;
હો હુવા હૈ જિસ્લે મજનૂં બુલબુલે, ગુલઝારે ઇશ્ક.
ઉસકો આફાતે હરારતસે નહીં, આસેબ કુછ;
જિસકો તાબીજે શુઅૂરે દિલ હુવા તૂમારે ઇશ્ક.
મન્ન બોલે દિલકો ન પાયા દોસ્તકે રેહલે બ દસ્ત;
લેકે ગમકે બોઝ ચારો મન નહીં, મેં મારે ઇશ્ક.

કે ખ્યાલે ચશ્મે જૂબાં રોગને બાદામ સે;
જિસતરે બેતાબી, દિલપર બને હે, બીમારે ઇશ્ક;
ઉસકો હે નિત બેદ ખ્વાની નાલએ ફરયાદકી;
જૈસ બરહમન કો ગલેકા હાર હે, જુન્નારે ઇશ્ક.
બેઝબર હે મફઝિલે, કોનૈનસે મિસ્લે, સિરાજ;
બે કુયા હે બેખુદીકે બામસે, સરશારે ઇશ્ક.

શફીક ડાકની.

ગઝલે ઇશ્નરીઆ. ૧૬૮

એક દિન રાતકી સોહબતમેં, નહી હોતે શરીક;
હમકો કયા ફાયદા, ગર આપ બોહોત હેં નઝદીક.
આપતો દુર હોકે, બડે બાત હમારી, સુનલો;
રાત હે હૈયઓ બાબર ચડા હે તારીક.
ગાન ને હાથસે કલગીરકે, તૂને બાયા;
અપને લોહૂકે ગરક, ઘૂંટ પિયે હે, હર ઇશ્ક.
દૂર હો ચાહિયે ચફ્રીતસે નિફલ એ મજનૂ;
જિસ ચસીલેસ મિલી તુઝકો, યહાં યે તસલીફ.
ચાહિયે ઇશ્કમેં ઇશ્નરીઆ તુ સંભલકર આના;
હાં ખબરદાર કે યે, રાહ બોહોત હે, બારીક.

ગઝલે સોદા. ૧૬૯

હોકે ડરતે હે મુઝે કતલ બહુમ, યારો એક;

ग़मज़ो ओ नाज़ो अदा, दीख्या सनम यारों अेक·

दिलमें खुशीयाँ लहरियाँ बहुत, आलममें;

होके आपसमें गले, सूझे अहम यारों अेक·

कुछ रखते हैं ज मैहाने सुजन तेरे पास;

नेन ओ तीरे कब सैहो कलम यारों अेक·

राहे मरदां तेरी खिलकत, ओ न होती मंजूर;

होते अनकुर न कलू मिलके, जहम यारों अेक·

अनपरी साकीयो, जाकनियों, महरू तेरा;

देखके शेरो सुखन में है, जहम यारों अेक·

जिसके तू पास न होवे, तो उसे आलममें;

मजलिसे शाहीया लजहाछियो गम यारों अेक

कागजे नामओ तहरीरो, किताबत सोहा;

होके कहते हैं ज तगाअहल, करम यारों अेक·

ग़ज़ले सोज़· १७०

रोनेसे मेरे ताज कुब दिलसे आये अरिक;

निकले है ख़ून चश्म से, अजतो जलाने अरिक·

तुने अगर न था सो था; आखोंसे बह गया;

आता है लख्ते दिल ही बला, अब कहाँके अरिक·

रोनेसे जान हम कोंछि, आता है राम्जूसा;

ले जाके पांउ तक न हमें ता घुलाजे अरिक·

નઝરોંસે જો કિસીકે, ગિરે બોલ કયા સકે.
કિસ્ને સુની હૈ આંખસે ગિરતે સદાએ અશ્કે.
આંખોંસે એકદમ નહીં, હોતા મેરે જુદા;
એ સોઝ કયા કહું મૈં, બયાને ચકાએ અશ્કે.

ગઝલે મોહકમ. ૧૭૧

ઘેતૂરસે બજ કી મો અત્તર ઉસ્ને, કુલ યેક બયેક;
હો ગયા બસ સૂંઘતે હી મસ્ત, બુલબુલ યેક બયેક.
ઘાકેરે બંદ કુબાયો: ગુલ ચમનમેં બકે બજ;
કયુ ન ઉડ જાયે અફઝું નગાહતે ગુલ યેક બયેક.
ગુન્ચઓ ગુલ રકસ કો આએ, જબ ઉસ ગુલકે હુઝૂર;
લગ ગઈ ગાને તરાના સુનકે, બુલબુલ યેક બયેક.
શીરીયાં સાગિરો સાકી પીતે હૈં, વહદતકી મય;
શૌકમેં આકર સતી કરને લગે, ગુલ યેક બયેક.
ગૈરે તનહાઈ ન દેખા, ઔર કુછ જિસ્તરપે આહ;
ઝાબસે ન ચશ્મે મોહકમ રાજગઈ બુલ યેક બયેક.

ગઝલે સોઝ. ૧૭૨

મુઝકો તોહમત મત લગા, બહરે ખુદા તુજે કૂલક.
હથેલી પોંછયા નહીં અબલક મેરા દામન તલક.
હાં મગર તકસીર યે: કહિયે કે, એક દીન બાગમેં:
રખન જે દીવારસે દેખીથી, કાલિસકી ઝલક.

इस गुनह पर जो तेरे दिलमें, होसो तुहर तुजूक;
ले गया था उस शराबीके कने, में दिल गरक.
और ली अेक बात याद आई, के में खुदा नहीं;
ले गया मैं पास उसके, उठ गया दामन झटक.
देखकर मुजको नहायत, तैशसे बोला के ओ;
अपने इल्मसे न रख तु पाउं, आगे चल सरक.
रह गया अपना सा मुंह, लेकर कदम पीछे पड़ा;
फर कदम पर बार जिल्लतके, मै रहता था लियक.
इस गुनहपर जो तेरे दिलमें हो, अे यारूपे कोहन;
अपने उस दिल सोलह कातु, हाथमें रख या परक.

ग़ज़ल असरह १७३

आहको चाहिये अेक उम्र, असर होने तक;
कौन जीता है तेरी ज़ुल्फ़के, सर होने तक.
दाम हर मौजमें है, हल्क़ये सद कामे नहंग;
देखें क्या गुज़रे है, क़तरेपे, गोहर होने तक.
आशिक़ी सब्र तलब, और तमन्ना बेताब;
दिलका क्या रंग करूं ख़ूने, जिगर होने तक.
हमने माना के तग़ाफ़ुल, न करोगे लेकिन;
ख़ाक हो जायेंगे हम, तुमको ख़बर होने तक.
ग़मे हस्तीका असद किससे हो जुज़ मर्ग इलाज;

શમ્અ હર રંગમેં જલતી હૈ, સહ઼ર હોને તક.

રદીફ઼ે ગાફ઼.

ગ઼ઝલે સોદા. ૧૭૪

કરતી હૈ મેરે દિલમે તેરી, જલ્વહ઼ગરી રંગ;
જિસ શીશેમેં હર આન, દિખાતી હૈ પરી રંગ.

જિસ રંગમે હૈ જાન તેરે, રંગહ઼ે જલ્વહ઼;
સબ રંગમે હૈ તૂ યેહ઼, તેરા સબસે પરી રંગ.

એ શીશહ઼ગરાં દિલ કોહિ, ટૂટા ને બનાયે;
પૈદા કર ફિર ઔરહ઼ી કુછ, શીશહ઼ગરી રંગ.

હૈ આઠ પહર આહ, જુદા ઓને ચમનકા;
દેખ આહિ કે ક્યા ઓને, નસીમે સહ઼રી રંગ.

જિસ ગુલમે યેહ઼ જલ્વહ઼ હૈ કે, જબ બુલ્બુલે કફ઼સમેં;
દિખલાતી હૈ મેરી મુઝે, જે આલો પરી રંગ.

કર ચમનમે ઉરયાનીકા, ખ઼ા ફિત્નરી સૌદા;
કો ગુલશનમે સફ઼ર ખ઼ાસે તો હૈ, યેઃ સફ઼રી રંગ.

ગ઼ઝલે જુરઅત. ૧૭૫

રખતા હૈ બે મઝ઼ે યેઃ, દિલે તંગ રંગ ઢંગ;
સો યાઃ તમામ બિગડ઼ા હૈ, સંગ રંગ ઢંગ.

બદ ખોહિ, મુઝસે કરતા હૈ, હરદમ તેરી તરહ઼;
સીખાયેઃ તુઝસે દિલ ત્ની, બડા જંગ રંગ ઢંગ.

क्या ढंग जोहरे ख़ुश्कमें है जो रीराज शोख़;
रखता है और जारसे, गुल रंग रंग ढंग.
दिल रसाई था तो जोई न था, देखिये हमें;
अब क्या दिखाती दिलको मेरे, रंग रंग ढंग.
नजरसे दिया है तूने, चमनकी तरफ़ गुज़र;
गुल देखकर हुवा है, जिपर दंग रंग ढंग.
जो रंगो माजरा शेरमें जुरअतके हैं सो ये है;
पाये न कोई औरके, दूर संग रंग ढंग.

ग़ज़ले सोदा १७६

फूंकदी है इश्ककी तपने, हमारे तनमें आग;
चढ़े है ज़ूरे शरा तर्ज फ़ानूस, पथरा हमने आग.
रंग गुल कुछ जो तरह चमके है, ये अबरे बहार;
आरियां मेरा भड़क जगती है, अब गुलशनमें आग.
बालसे कुछ भी नहीं है, फूलने दूर फाहदे;
मेरेमें आकर लगादी, कोहके दामनमें आग.
जिस्नमें है धूम होरीकी, व लेकिन तुझ बग़ैर;
ये गुलाल उड़ता है, क्यूं लड़की है सारे तनमें आग.
रंग या फूलोंका चमके है, जो अंगारोंकी तरफ़;
हुस्नते जबसे तेरे अफ़जस लगी मां हनमें आग.
जो बहार आई किसे सोदा, जला लगता है आग;

युं यमनमें गुल नज़र पडते हैं, ज्युं गुलशनमें सनाग.

ग़ज़ले छिनरीया. १७७

जख़्म था तेरी रोज़े फ़िराक़में, जो नूर पलंग;
मैंने ली करवटें यहांतक के, कुचा चूर पलंग.
सेज फूलोंकी पडी जैसी, इश्क़ पर है के ज़ख़्म;
सदके होती हैं तेरा ईश्क, हर एक तूर पलंग.
चांदनीमें तू न सो, डीठपे डर है के तेरा;
लेके होवे परी, कीछिन, काफ़ूर पलंग.
जाद लेके तेरे नमगीनीका. जो के है थोः माफ़;
हुजना है उसे शायद तेरा, मनज़ूर पलंग.
नाज़ परयोंका उतारा है, यहांसे छिनरीया;
माहताबी न बिछे, हैर ज़हज़ूर पलंग.

ग़ज़लतरैहा. १७८

क्यों निकल अपना, सुनजो गुले अदन;
हम कुपा हमसे तू, जेक जान अलग.
आशीके सरका तौर. × छिन दिनोंके कुछ और.
मिस्ले गुल ग़मसे तेरे, गुनच्या दहन;
चाक दामन है, गिरे. जान अलग.
मय इश्क़का जो मज़ा. × है यही नामे खुदा.

यार हो साक़ी हो, और सैरे चमन ;
पीयें ख़िलवतमें मेरी जान अलग।
फ़ुनकूयेकी दिला। × आही नालोंपे न जा।
दिलको ले लेते हैं, कुर सैकडों फ़न ;
उनसे रहना तू कहा मान अलग।
कसरत आशीक़की जला। × होवे किस्तरह भला।
मारही डाले है, मिस्सीकी फ़बन ;
ख़ून करता है इधर, पान अलग।
दिलने किस किस्का ये दिल। × आहरा है मुश्किल।
रौंदा मांग तक आलोंकी, फ़बन ;
ज़िन्दगी है ख़ुल्के, परीशान अलग।

रहीइलाम।

ग़ज़ल सोहा। १७९

इस चमनकी सैरपें आ, यार पीयें मिलके मुल ;
क्या जनाज़े सानेसे, कुदरतनें रंगी गिलके गुल।
चंद योः दरयाके ऊँसे, गुज़रिये पुल बांधकर ;
मौत है य मिले आरीज़ा, तोड है पलमें पिलके पुल।
कुल्लक़ा किस्से कियाहै, आह धेन आंखोंने ख़लम।
जीये कर लेगो रहे हैं, जब तूने क़ातिलके लुल।
हामें लुत्फ़ कुर्सके हिस्से, कुया है रुगाले इश्क़ ;

मये गुल्गूं है रंग फुर्ते ले गर्ज़ल, ऐसे शाखिगुलके गुल.
फ़ूले मुश्कुल जिससे हो, सोहाई तुम जिन याअली,
भोलते हो मुश्कूल कुशाये, उकदे मेरी मुश्किलके कुल.

गज़ले शाहीद. १८०

जो गुल अन्दाम चमनमें तू, न लुल अरग़नरे गुल;
छर हाल है अल्ली कूके गुल सर सरे गुल.
कुछ तो शाबन नन का मकुबल है कि; हररात निसार;
ऐसा उश्शाकसे लीआर रहता है. कुल सरसरे गुल.
कल तो हूरगये, शीरा हूगांसे, बुल्बुल;
जैसा बेहूदा तु क्युं करली है, गुल सर सरे गुल.
सरूके जिस चमनमें, गुलरंगपे युं लहराया;
ऐसे शबनम रही बेताबीसे कुल सर सरे गुल.
हो रहे आमदे गुलशानकी, लमनोंमें शाहीद;
अंदलीबोंकी पड़ा चाहिये, कुल सर सर गुल.

गज़ले छनरात. १८१

कउरन नमीपर हो तेरे कुश्तअ, दीदारके फूल,
क्युं न फिर यहांसे उगे नरगिस, बीमारके फूल.
कुश्तअमें लगे छेडाका, हो ले पंज मंजूर.
तो स्तता कायदा क्या, तोडने गुलजारके फूल.
शाखरे तूर अगर देखे कहा, उसको कलीम;

ચુરાવવું ચમત્કાર રોશનીઓ
जो न ज़ाहिर करे जलवा, जैसे अनारके फूल.
क्युं न ईनशा करे ताअरीफ़, फिर ऐसे फ़नकी:
બાંધેલા કલગી પાઘડી
जिसमें मलफ़ूफ़ हो उसतूरसे, दस्तारके फूल.

ग़ज़ले रज़्ज़ १८२

मेरे दिलसे नहीं, मिलता तेरा दिल ;
जो होता है सख़्त, तेरा जो बड़ा दिल.
हंसाया मुझको, तूने क्युं जलामें ;
तेरी तक़सीर क्या, कीथी जला दिल.
કઠણ મુશ્કેલ
ग़रज़ होता है जला, सख़्त दुश्वार ;
દુઃખ ગિરફતાર
न हो या रब किसीका, मुब्तला दिल.
नहीं है इख़्तियार, अपनेमें यारो.
मेरे अब हाथसे, जाता रहा दिल.
मैं अपनी जानसे, राज़ी हुं उसपर ;
तेरी जिस बातमें होवे, रज़ा दिल.

ग़ज़ले तानां १८३

જુલમગાર
क्युं मिला ज़ालिमसे जा, दिल हाय दिल, अफ़सोस दिल ;
જુલમ
जीयता है क्या जफ़ा दिल, हाय दिल, अफ़सोस दिल.
કત્યા
नैनने ज़ालिम किया है, क़त्ल मेरे देखते.
જુલમ કરનાર
तुझ सितमगरसे मिला दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.
किस परीने छिपाया, दिल मेरा मिलता नहीं ;

कुछ ताक़ क्या हुवा दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.

નિરદય

जानता था मैं के यों, ज़ालिम जिगर पे रहम है;

ગિરફતાર

क्युं हुवा था मुब्तला दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.

માશૂક

हिजर उस मजे करन को, मुजसे कोइ अब जुदा;

किस तरफ़से रम गया दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.

किसे अब पूछूं कहां ढूंढूं, निशां पाता नहीं;

क्या हुवा ताबां मेरा दिल, हाय दिल अफ़सोस दिल.

गज़ले हमरंग. १८४

गुल खिलाता पाइ जिस गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल;

खारियां दीन कहां गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल.

गाह शाही गाह गम, गाह गुलिस्तां गाह बंद;

के युंही तरसे कहां गुल, हाय गुल अफ़सोस गुल.

दिल मेरा दाग़ोंसे था, पुर आह शोले नालसे;

दाग गया सब जा नुमां, गुल हाय, गुल अफ़सोस गुल.

जबतो घर स कुछ कइसमें, ओरसे सैयादके;

हां गये हम नीम बस्मे, गुल हाय गुल अफ़सोस गुल.

બુલબુલ

बाग़में हमरंग मेरे, ना सारे अंदलीब;

ये यही करते हुगां गुल हाय, गुल अफ़सोस गुल.

गज़ले कमतरशाह १८५

ले गया वोः दिलरुबा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल;
ये गया दिल वोः गया दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
मैं न कहता था परेशां होगा, दर सौदाए जुल्फ़;
ये गिरफ़्तारे बला दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
लग गई किसकी नज़र, जो होगया यूं मुज़महिल;
था भला चंगा मेरा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
नक़्द को दिलके समझकर, क़ब्ज़े उस दिलबरने आज;
बे दिरम सस्ता लिया दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.
मैं न कहताथा बुतोंसे ऐदिले कमतर न मिल;
हिज्र खुदाकी ले रहा दिल, आह दिल अफ़सोस दिल.

गज़ले अली मुलाँशाह १८६

पीतम के देखनेके तमाशेको आयें चल;
अपने पियाके ऐशकदे, आपही रिझायें चल.
दोनो जहां है जिसकी, तजल्लीसे ताबदार;
वोः आफ़ताबे हुस्न नज़रमें, निझायें चल.
जलसा किया है यारने, महले जलीमें आज;
जलवतमें जब जरीके पियाको भुलायें चल.
परवा नहीं है पियाको किसीके विसालसे;
इनसे उसीके उसको आपसमें रझायें चल.

દમકા સનોદ કરકે, ઘેરાદેકા, તાર બાંધ.

આવાજ

સુરે સદાકા સૂર, બનાકર સુનાએં ચલ.

આ દુન્યા. ખુશાલી.

નાસૂતસે ગુઝરકે તઈશ્રતસે એ ગ઼લીમ;

એહદુન્યાનુંનામ. ફુલેરાં શોર.

લાહૂતકે મકાનમેં સદા, ગુલ મચાએં ચલ.

ગ઼ઝલે ચલી ૧૮૭

દિલ લગા યારસે, ઉસ દિલકા છુડાના મુશ્કિલ;

ઈશ્કકા ઝખ્મ લગા ઉસ્કા, સિલાના મુશ્કિલ.

ફુરક્તકે દામમેં બલા, ઝુલ્ફમેં દો કાલે નાગ;

જિસકે લગે નાગ ડસા, ઉસ્કા બચાના મુશ્કિલ.

આતશે ઈશ્કને બોહ તોફા કિયા, ખાના ખરાબ;

આગ દરયાકો લગી, ઉસ્કા બુઝાના મુશ્કિલ.

[illegible]

યાદ કરનેકો લિયા હાથમેં, મનકા મનકા;

દિલ ઉપર બોઝ પડે, મનકા ફિરાના મુશ્કિલ.

નાનુંછોકરૂં બેસમજ.

તિફ્લે નાદાન ફ઼રીસા, મેરા ગ઼મ એ પ્યારે;

શિખવવું

મકતબે ઈશ્કમેં, તાલીમ, દિલાના મુશ્કિલ.

બે ઉમ્ર યાદમેં ગુઝરી સો, ગ઼નીમત સમઝો;

સો ગયા ઈશ્કમેં ફિર ઉસ્કા, જગાના મુશ્કિલ.

રાહ. ખુપો.

રાઝ મખ઼ફી ચલી ઝાહેર ન, કિસીસે કરના;

હાથસે બાત ગઈ ઉસ્કા, ફિર આના મુશ્કિલ.

रहीमीम·

ग़ज़ले सौदा १९८

क्या मचा गई इश्क़ने मेरे दिलके, काशानेमें धूम;
शोर है जिसके लिये काबेमें, बुतख़ानेमें धूम·
बुलबुलों जोला तोडकर, घुस दिलकी, सो नज़र आ गई-
सख़्त दीवानेने की नज़र, दिल जानेमें धूम·
फिर गये वो शोर दिलके, आफ़तज आई जहार;
वरन क्याक्या हमने की करते शोहरे वीरानेमें धूम·
ईस कदर है लागरी मेरे सेवुरी अजनाजे दूर
जूं हिलाले ईद है मेरे नज़र, आनेमें धूम·
तुज निगाहे गरमकी हसरतसे, दिल मारे है जरी;
रातको देखुं हूं मैं जब, शम्ओ परवानेमें धूम·
दिलको सुन कूचेमें तेरे, जब चली है कोने जरेके;
हो गई जो चलके वहां जन्तदालो दीवानेमें धूम·
कुजसे जे सौदा शराब, ईस जलसमें पीते हैं यार;
तूने जो कम ज़रूरकी पेहलेकी, पैमानेमें धूम·

ग़ज़ले सौदा १९९

जाना परवरदे चमन है, आज़िर जे सैयाद हम;
ईतनी फुरसत दे के होलें, गुलसे कुछ आबाद हम·
जंहदजे गुल जे नमक, दूरचारे बुलबुल, जे अज़सर·

ઇસ ચમનસે જાકે બેફર, ક્યા કરેંગે યાદ હમ.
વસ્લ તૂ કરતા હે કુછ ફુરસત, ગલે લગનેકી દે;
ઘીર ફુરખાં હે તુઝે દેલેં, મુબારક બાદ હમ.
(નામ.) કૈસ જિસ દમસે ગયા, અપને કદમકે ફૈઝસે;
બાનમેં બંઝર રખતે હે, સદા આબાદ હમ.
હૈં નિકલ સકતે અસીરીસે, તેરી જો સરૂ (પુરા મા. [illegible]) કદ;
તૌક કુમરીકી તરહ રખતે હેં, માદર બાદ હમ.
જે બુનૂં મિસરા (બેત) તેરા, સૌદાકી હે બંઝરે પા;
બંદસે તેરે નહીં હોવેંગે અબ આઝાદ હમ.

ગઝલે સૌદા. ૧૯૦

ન ગરઝ કુફરસે રખતે હેં, ન ઇસ્લામસે કામ;
(મતલબ.) મુદ્દઆ હમકો તો હે સાકીસે, ઔર જામસે કામ.
દિલે નાલાંકો મેરે ફિક્રકે હે આરામસે કામ.
કોઇ બેચેન રહો, અપને ઉસે કામસે કામ.
ક્યું ન જકૂઇ (સાંઝ) ચલે, હરએક જગહ મુકડા કર;
ન પડા ઉસકો તેરી ઝુલ્ફ (કેશું) કે, સિયહ ફામ (સાંજ) સે કામ.
ગર અકેલા કહીં મિલ જાવે, હમેં તો દિલકા;
લીજે મન માનતા ઉસ સૂબે, ગુલ અંદામ (શરીર.) સે કામ.
નેકી આગાઝ (શુરૂ) તેરે કામકા, દેખા સૌદા;
પાએ પોઃ દિલકે તુઝે, ઉસકે હો અંજામ (આખર.) સે કામ.

फूं असीर उसका जसे जाने, गिरफ़्तारिये सैद.
न गिरफ़्तारीसे मतलब रहे, न किसी दामसे काम.

ग़ज़ले सिराज. १८१

सनम हज़ार हुवा तो, वही सनमका सनम;
कि असले हस्तिये नाबूद है, अदमका अदम.
छुपी जहानमें गोया, मुझे बहिश्त मिली;
अगर मेरेपे रहोगे, वही करमका करम.
भली तो तुमने किई थी, हमारी जां बख़्शी;
हूर मक़दममें यहां था हुवा, अलमका ख़ातम.
वोः गुल बदनका बदन है, मिसल रंगा रंग;
सुबहको लुत्फ़ तो फिर शामको, सितमका सितम.
न रख सीराज किसी खूबरूसे चश्मे वफ़ा;
सनम हज़ार हुवा तो, वही सनमका सनम.

ग़ज़ले सिराज. १८२

न बोलके सबा वोः दिलारामको सलाम;
मेरी तरफ़से दिलबरे, गुलफ़ामको सलाम.
जिस क़दको देख सरूपे, उडते हैं फ़ाख़्ता;
येक दम लेजा वोः सरवे गुल, अनदामको सलाम.
क़ासिदको लेजा मुझको सरअफ़राज़ गर करो;
नामेको दीदह आस, करूं नामको सलाम.

જામ કયું ન હોવે મોહકે, જુલ્ફ ઉસકી સુબ્હ દેમ;
કાફિર ન હોવે મેકરે, ઈસ્લામકો સલામ.
મેં ઈશ્કકે તુફૈલ કિયા, સૈરે બાગ દિલ.
ઈસ બુરી હવા બહારકે, હંગામકો સલામ.
હો બા અદબ હિલાલ ઉગ, અબરૂકે જામકો દેખ;
કરતાહે યાં દરાતકે દિન, શામકો સલામ.
સાયે બહમ સિતારા તો, કયા બસકે આફતાબ;
હર સુબ્હ ઉસ સનમકે, દરો બામકો સલામ.

ગઝલે પકરી. ૧૯૩

મૂં સબઝ રોંદ જાતે હૈં, પૈરોંકે તલે હમ;
ઈસ ગરદિશે અફલાકસે, ફૂલે ન ફલે હમ.
રોતે હૈં શબો રોઝ, ઈસી ફિકરસે યા રબ;
ગુન્ચેકી તરહ બાગમેં, ગુલ હો ન ખિલે હમ.
અરમાન બોહોત રખતેથે, હમ દિલકે ચમનમેં;
બૈઠે ન ખુશીસે કભૂ, સાયેકે તલે હમ.
જીસ ગુલપે નઝર કરતે હૈં, આતાહે નઝર ખાર;
ગુલશનમેં પલે જાતે હી, કાંટોંમે રૂલે હમ.
હમ પૌદ ન કુલમથે, કિસી માલીકે લગાયે;
નરગિસકે નેહાલોંમેં, થે આસફકે પલે હમ.
અફસોસકે ઈસ દિલકા, કંવલ ખિલને ન પાયા;

कोई दिनको चले जाते हैं, माटीमें मिले हम.

जब पेहलेकी आगरनमें, पामाल हुए हाय;

इरयाद करें किस सेती, किस्मतको गले हम.

तुम अपना अफसोस केहते हैं, जे दरदके आगे;

जे जरस हो नहां जा गिरे, हरगिज न रहे हम.

बंदा ने मुसीबतमें रमला, किसको बुलावें;

रेहते हैं चकरी होंसे, दिनरात मिले हम.

गज़ले नकी. १५४

नहीं ताजको देखुं जमाले सनम मुझे अपनी बुरानकरीकी क़सम;

मुझे हुस्नका जलवः गीरीकी क़सम मुझे ईश्ककी पेरहरीकी क़सम.

तेरे आशिकोंका रचहां तुझे दपनने, आतीहै जिन्दको नहां;

कोई देखा है मुअस्सली, सोफ्ताओं तुझे मेरीही दीदहरीकी क़सम.

नहीं का सिर्दयार तु चीज जनी, जमी अपना ख़यालहै औरकी

जली हारीकी अपने जानरहीनहीं तुझे आजमें ज्यजरीकी क़सम

रोजे चसनकी होगई सुन्क जयां के तडपने लगा दिले सोफ्ता

मेरे दीदजे तरहुजे रोना लाकीरां मुझे ईस शाहके सहरीकी क़सम

नजर ईतना नकी तु आगरको सोहके नरीके सुजलहै नबें

तेरे रोनासे आतीहै जूनकी चू मुझे तेरीहो च्च आगरीकी क़सम.

गज़ले सोज़. १५५

जैसे गुल सज्राकी तरह फिरे, ईस चमनमें हम;

पाज़े न जूं पकड़ी तेरे, पथर हुनमें हम·
शीशोंकी तरह़ शामसे, रोरो के ता सह़र;
મજલીસ
ख़ाली करे हैं दिलको तेरे, अन्जुमनमें हम·
ફાનુસુધી
फ़ानूस बीच शम्अ़ जले, जिस तरह़ ह़लोक़;
જુદાઈ
जलते हैं तेरे हिज्रसे, ज़ालिम कफ़नमें हम·
शो'ला उठा न तनसे ह़मारे, कभी ये सोज़;
સતી
सतीोंकी तरह़ जलगये, कुछ मनही मनमें हम·

ग़ज़ले छिनरीसा·१९६

दिल मुजसे ऐ परी तुजे, इनसानकी क़सम;
નબીનું નામ
देता हूं तुजको जब्से, सुलैमानकी क़सम·
ફિરસ્તા · આકાશ
क़ुर्रबीयांकी तुजको क़सम, और अ़र्शकी;
ફીરસ્તાનું નામ · સ્વરગનો દરોગા
जिबरीलकी क़सम, तुजे रिज़्वानकी क़सम·
જન્નતના એક ઝાડનું નામ · જન્નતની એક નદીનું નામ
तूबाकी सलसबीलकी, कौसरकी आबकी;
એ સરવે નામ છે
ह़ूरो क़ुसूरो जन्नतो, ग़िलमानकी क़सम·
નામ · ઇસા નબી
रूह़ुल क़ुदसकी तुजको क़सम, और मसीह़की;
ઇસાની માનું નામ · પરહેજગારી
मरयमकी तुजको छेड़ते, दामानकी क़सम·
નબીસાહેબનું નામ
तुजको मोहम्मदे अ़रबीकी, क़सम है और;
નામ · શેહેરનું નામ
मौला अ़लीकी शाहे खुरासानकी, क़सम·
મૂસા પર આવ્યા છે તે કિતાબનું નામ · ઇસા પર કિતાબ આવી છે તેનું નામ
तौरेतकी क़सम, क़सम इन्जीलकी तुजे;
કિતાબનું નામ · કુરાન
तुजको क़सम ज़बूरकी, क़ुरआनकी क़सम·

મિલ્લતમેં જિસકે તૂ હૈ, ઉસીકી કસમ તુજે;
ઔર અપને દીનો મઝહબો, ઈમાનકી કસમ.
દામનકો મેરે હાથસે, ઈસરાત મત ઝટક;
તુઝકો સહરકે ચાકે, ગિરેબાનકી કસમ
મુદ્દતસે તેરે ચાહે ઝકનમેં ગારી કરૂં;
બિલ્લાહ મુઝકો યૂસુફે, કનઆનકી કસમ.
કૈદી હૂં મેં તેરા, બખુદાવન્દિયે ખુદા;
ઔર ઉસ અઝીઝે મિસ્રકે, ઝિન્દાનકી કસમ.
મૂસાકી હૈ કસમ તુજે, ઔર કોહ તૂરકી;
નૂરો ઝુહૂરો જલવએ, શમ્અદાનકી કસમ
સૌગંદ અબ હંસીકી તુજે, કુછ દિખાઈએ;
સુન તુઝકો અપને નાનકી, ઔર આનકી કસમ.
નરગિસકી આંખકી કસમ, ઔર ગુલકે કાનકી.
તુઝકો સરે અઝીઝે, ગુલિસ્તાનકી કસમ.
તુઝકો કસમ હૈ ગુન્ચએ, નખ્કે તાકકી;
ઔર રોને અંદલીબે, ગઝલખ્વાનકી કસમ.
સોનેકી ગાયકી કસમ, ઔર દૈરે નીલકી;
ફિરઔનકી કસમ તુજે, હામાનકી કસમ.
બિસ્તર મેરા હૈ ખારે, મુગીલાં બસાને ફરસ;
લૈલીકી હૈ તુજે સરે, મિઝગાનકી કસમ.

ઐસી મેરી કસમ તો ન માને, તો હૈ તુઝે;
બિનોંકે ઝિબહગાહ, અબુલ અનકી કસમ.
કોનેમેં બાગકે યોં જો રેહતા હૈ એક જર્મીસ;
તુઝકો ઉસીકે શૌકકી, બ્રહ્માનકી કસમ.
દય સુફીદકી કસમ, ઔર કોહે કાફકી;
બાગે ઇરમકી ઔર, પરસ્તાનકી કસમ.
સૂના ચમારકી કસમ, ઔર કલપા બેરકી;
કાલી બલાકી શૌલ, બયાબાનકી કસમ.
કસમેં તો સારી હો ચુકીં, બાકી રહી હૈ એક;
પીપલ તલેકી ચુડૈલકી, શૈતાનકી કસમ.
હાં ફિર તો કહિયા હાય યોં:, કિસ્સા હો ગયા તમામ;
ઇનશા ન છેડ તુઝકો, મેરી જાનકી કસમ.

ગઝલે નમ્બર ૧૮૭

કલ દેખું ન સુંબુલે બાગકો મેં, મુઝે ઉસ જુલ્ફે અમ્બરીં રોતાકી કસમ;
ન નિગાહ કરૂં આરિઝે ગુલકી તરફ, મુઝે ઉસ રૂએ મેહ રોયકી કસમ.
ચુપકે રૂ ચમનકી ઝિલ્મમેં સબા, યોં: હલ્લ રતરહ ફેલાઈ તું;
મેરે દિલકો ન હો કલી ઉસકી હવા, મુઝે ગુંચે દહનકે હયાકી કસમ.
નહીં આયા ઇધરકો યોંઃ જો મિ ગિયહ, યહી લે ગયા દિલકો જ મેરે નિગાહ;
રહી ગઝલો ફિરકો ન કભી મેં ન ગાહ, મુઝે ઉસ જુલ્ફે સિયાહકી કસમ.
જહન ઉસકા કે ગુંચ ઐસા ગુલ ચમન, મેરે જરમેં જાયે યોં: રહે ચમન;

ખિલે ગુંચએ દિલમેરા ગુલકી નમૈંન, મુઝે ઉસ ગુલબદનકે ફ઼િરાક઼કી ક઼સમ.

લેરે ઘેરકેને દિલમેં યેઃ દરદ દિયા, તો કુછ ઉસૈ મર્ઝ મૈંને ઐસાલિયા

નકદ્દ નકદ્દ નકદ્દમેં દવા, મૈંને ખાઇ હૈ અબતો દવાઇકી ક઼સમ.

લગીમેંહદી જે હાથોંમેં ઉસકે મિયાં, તો વોઃ ખુરદી કુછ ઐસીહૈ

(લાલી) (અંકુર) (લાલ્યા કિરણ;)

વોઃ શફ઼ક઼ જૈસે સુબ્હકો હોવે અયાં, સો વોઃ આતીહૈ ઉસકે હિનાકી ક઼સમ.

મૈંને દેખા **નઝ઼ર** જો ઉસકે તર્ફ઼, તો વોઃ શરમ્સો હયાસે હોસરૂપ કરીનં;

લિયા છીની નિગાહોંસે હી દિલ, પઢીકૂં ક્યા મૈં અબ ઉસકે હયાકી ક઼સમ. (શરમ)

ગ઼ઝલે નમ્બર. ૧૯૯

(શરાબખાનું)

દૂરસે આયે થે સાક઼ી સુનકે મયખાનેકો હમ;

(પ્યાલાનુ)

બસ તરસતે હી ચલે અફ઼સોસ પયમાનેકો હમ.

(શરાબ) (શીશો) (પ્યાલું) (પાનાર)

મય ભીહૈ મીના ભીહૈ, સાગ઼િર ભીહૈ સાક઼ી નહીં;

દિલમે આતાહૈ લગાદેં, આગ મયખાનેકો હમ.

ક્યું નહીં લેતા હમારી, તુ ખ઼બર, અે બે ખ઼બર;

ક્યા તેરે આશિક઼ હુએ થે દરદે ગ઼મ ખાનેકો હમ.

(શિકારી)

હમકો ફ઼સનાથા ક઼ફ઼સમેં ક્યા, ગિલા સૈયાદસે;

બસ તરસતે હી રહે હૈં, આબ ઔર દાનેકો હમ.

તાક઼ે અબ્રૂમેં સનમકે ક્યા ખ઼ુદાઇ રહગઇ;

અબતો પૂજેંગે ઉસી કાફ઼િરકે, બુતખાનેકો હમ.

(જંગલે)

બાગ઼મેં લગતા નહીં સેહરાસે, ઘબરાતાહૈ દિલ.

અબ કહાં લે જાકે બૈઠેં ઐસે દીવાને કો હમ.

ક્યા કુછ તક્સીર હમસે, તુ બતાદે એ મગ઼રૂર;

(મોત)
તાકે શાદી મરગ સમઝેં, જૈસે મરને કો હમ·

ગઝલે હબસ·૧૮૯

યહીં કિ હલીથી લૈલીએ પરદહ નિશીં, નહીં આતી અરહબસે મુઝ દા કી કુસમ·

ગમે કૈસ સિવા મુઝે કુછ નહીં હૈ ગમ, ઉસી કુરઅ્ત એ નાલે અબા કી કુસમ·

રૂકા પાયા ન લૈલી ને મઝનૂં કા જબ, કહા ક્યું હો અફ઼્ઝા મેરે સરપે સિનહી·

ન તો મૈંને કિસૂ સંગ આતશી કી, મુઝે મેરી હી શરમો હયા કી કુસમ

(મુહબ્બત)
મેરે ગિરયે સે અયેગા સબરો સુકું, મેરે આંખોં સે ટપકે હૈ કતરએ ખૂં·

(મુફસાલા ધારે)
નહીં જાતી હૈ કુમરી, બેહર નજ઼ૂ મુઝે લૈલી કે જુલ્ફે દોતા કી કુસમ·

શબે હિજરમેં અરલે કો અફ઼ઝુન અદા ઉસે દજે સે રંગ શફ઼કે કા ઉડા;

નહીં ઇશ્કમેં મુઆલેજા એક જરા, મુઝે તેરે હી રંગે હિના કી કુસમ·

(બરાબ)
તેરે કુરઅ્ત એ ગમ કા હૈ હાલ અબતર, યહી કહિયો અબનાહો તેરા ઘર·

(હ્રપા)
તુઝે હાસિદે મૌ બે નસીબે સફ઼ર મેરે હિજર કી શામે કુ સુકી કુસમ·

(ફરમા)
કલી કે ફલાથા કે સગે દલાસે નકહા ન કા છે ઘર સે કિધર કો ગયા;

કલી કે ફલાથા નહીં અલાદે સબા, તુઝે લૈલી કે જુલ્ફે દોતા કી કુસમ

(પેઆલું)
કલૂસા ગિરે વસલ ન મૈંને પિયા, કલૂ નજ઼ અમે હ્રગર કે ન મૈંને લિયા;

(મુસીબત)
ગમો રંજ ને તનકો અજલ કિયા, મુઝે ઇશ્કકે એરોના જ઼ કી કુસમ

મેરા નિકલા હી જાતા હૈ તનસે હી દમ, નહીં ચૈન હૈ તેરે બગૈર સનમ·

તુ તો ગૈરોંસે અબ રહે અકે બહમ, તુઝે દેતા કુ તેરે મુંહ કી કુસમ·

તેરે કૂચે સે જાન નહીં ફિરને કે, હમ કરે હમેં તેરે કદમ સરકી કુસમ;

નામ નામ

ખતીદિલપેહનીહેંયેહૈંમૈં સનમ મુઝેગોરસોકુતુબમસલી

ચણીકસમ.

નપાછે હવસ કુલીફૂલોંકીખૂનમેંડાકુ ઇતીખાજમેંમૂ;

ખોપનીખોકસીદિલકીગછેન ઙતુ,મુઝે ખાનકીઝપંનપદાઉીક્સમ.

રદીફેનૂન.

ગઝલેસોહ. ૨૦૦

ખાલેંકિધરગછેંપોફ તેરી, લોતી લાલીયાં;

દિલ લેંકે ખોલતા હે મેં ગજ, તૂ યહ બોલિયાં.

છશારા કાન

હર ખાતેં હલતીડો હરખેડે, ઝુપેંન હે રમઝ;

હર ખાનંહૈ કિનાયા ય હરદમ ઠઠોલિયાં.

ફૈરતને ઉસકો યસ્મ નખાદ કેરને દી ડલ;

ખાંખેં હુસ્નખારસીન, તેરે મુંહપે ખોલિયાં.

ખંદામ ગુલપે હો ન ડેખા, ઉસ મર્ક સે યાહ;

મુરારા માથકું. લાગળી

લુંખુરી ઝખાંડ તનપં, ચરુકતી હૈ યોલીયાં.

સાકીપોહોંયંકે તુઝખિન, ઉસ ખજર ખાહારમેં;

ઓરાં.

પડતે નહીં તગરગ ખરસ્તી હૈ ગોલિયાં.

ખરકારા

દિસ્તરફ હોય ખાંખોંકી, ફાયરીસે દિલકા યેન;

મિઝગાં ન ડેર સકી, તો નિગાંહ છિપોલિયાં.

આગળી

કુયા યાહિયે તુઝે સરે, ખંગુસ્તપર હિના;

હુસ્ન ને ગુનહકે ખૂનમેં, યાહીં ડુબોલિયાં.

ધડી

લુંખદાક હોગયે હૈં ખુલુડે, ખબ ખુલાને દિદ;

શેહરનુનામ·
ઉનસેગરમ જલકે હૈં, કોબુરકી લોલિયાં·
સોદાકે દિલસે સાઈન્ત, રેહતીથી જુલ્ફે યાર;
શાનેને જીચપડકે ગિરહ ઉસ્કી ખોલિયાં·

ગઝલે દરદ· ૨૦૧

તુટેલા
મિજગાંને તર હૂં યા રગે, તારે બુરીદહ હૂં;
જો કુછકે હૂં સો હૂં ગરજ, આફત રસીદહ હૂં·
પોતાનારોવાનો·
ખીંચે હૈ દૂર આપકો, મેરે જુરાશીરસે;
પડેલો ઉંચ ખેંચાયલી·
ઉફતાદા હૂં પ સાયએ, કામત કશીદહ હૂં·
પરેશાન જમાનો
હરશામ મિસ્લે શામ હૂં મૈં, તીરહ રોજગાર;
દામન ફાટેલો
હર સુબ્હ મિસ્લે સુબ્હ, ગિરેબાં દરીદહ હૂં·
દોસ્તી
કરતી હૈ મુઝે ગુલતો મેરે, સાથ ઉન્સિયાત;
હવાનોઝુંરાવો
પર આહ મૈં તો મૌજે, નસીમે વજીદહ હૂં·
જેહરાની· પછે મોત
યે: યાફતી હૈ અબ તપિશ, દિલકે બાદ મરગ;
ખુણો કબર આરામપાઓ
ખુનાબે મસ્રફમેં ભી, ન મૈં આરમીદહ હૂં·
કાબુ
એ દરદ જાચુકા હૈ, મેરા કામ જબ્તસે;
દલગીરી આંસૂટપકેલા
મૈં ગમજદહ તો કતરએ, અશ્કે ચકીદહ હૂં·

ગઝલે નઝર· ૨૦૨

જુદાઈ
તફરકા હોતા હૈ બેસાત્મી, શુજ અનદામકી;
મય કહી શીશા કહી સાકી, કહી હમ કહીં·
દિલકી બેતાબી નહીં, ઠેરને દેતી હૈ મુઝે;

દિન કહીં રાત કહીં, સુબ્હ કહીં શામ કહીં.
એક દિલ દીજીયે કિસ કિસકો, સભી માંગતે હૈં;
આશકને પેહેરવાનો લેબાસ
જુન્નર ઓર જામા કહીં, ખુલ્કે સિયહ ફામ કહીં.
નામઃ આરનામા લિખૂં, યા મેં જવાની કેહ દૂં;
નામુરાદ
ખતકે પુરજેપે લિખૂં, ડાલિકે ના કામ કહીં;
દિલભી ઓર જાન કિફાયતને, સભીકી હૈ નજર;
શુભ કહીં ગુન્યા કહીં, ખુબ્બુલે આરનામ કહીં.

ગઝલે આસફી. ૨૦૩

તલવાર જાહેર
તેરી તેગ ઝખ્મ, આલેમ દેખતે હૈં;
ધડથી જુદું
પડી સરકો અપને, કલમ દેખતે હૈં.
એ જલવહ સનમ તુઝમેં, હમ દેખતે હૈં;
ખુદાકી ખુદાઈમેં, કમ દેખતે હૈં.
તુ જલદીસે આ, વરના મેરે મસીહા;
રસ્તો મોતનો
કોઈ દમમેં રાહે, અદમ દેખતે હૈં.
જો ચાહૂં લિખૂં મેં, કુછ અહવાલ દિલકા;
કપાયલા
તો હાથોંકો અપને, કલમ દેખતે હૈં.
ગુજરતે હૈં સૌ સૌ ખયાલ, અપને દિલમેં;
કિસીકા જો જકૂરે, કરમ દેખતે હૈં.
મિલે તુમકો મેરે, રકીબોંસે અકસર;
જુલમ
છુપાં હૈં કે સૌ સૌ, સિતમ દેખતે હૈં.

બોહોત ઝુઠ્યાને, ડુબ્બે તુને હમસે;
ભલા હમતો તેરી, કસમ દેખતે હેં.
તુ આયે ન આયે, મિયાં હમતો હરરોઝ;
તેરી રાહતા સુબ્હ, હમ દેખતે હેં.
બુતાંકી ગલીમેં, શબો રોઝ આસફ;
તમાશા ખુદાઈકા, હમ દેખતે હેં.

ગઝલે સમઝૂ ૨૦૪

પાણી
યું યો: રૂપ હે, કિ આબમેં રોશન;
ચંદ્ર વાદળ
ચાંદ હે જ્યૂં સહાબમેં રોશન.
નાક નથ
ઉસ્કી બીનીમેં યે બુલાક નહી;
ચેરાગ ચંદ્ર
શમ્અ હે માહતાબમેં રોશન.
પરછાયો
અભિ મયમેં હે અક્સ, ચેહરએ યાર;
સુરજ
યા ચરાગ આફતાબમેં રોશન.
લાલ પોશાક
ઉસ્કે ગોરે બદનમેં લાલ લિબાસ;
આગ પાણી
દેખો આતશ હે આબમેં રોશન.
સાથ રેહતા હે ઈન્દુકે પાસે;
પંઝ શાખા રિકાબમેં રોશન.
સોનહીન બરંગે શમ્અ મેરા;
નામ હે શૌખો શાબ્મેં રોશન.
યું સદા રો આગે તો ફિર સમઝૂ;

आंखें होवेंगी ख़ाकमें मेरी जान·

ग़ज़ल लेतड़ी·२०५

हसरत भरे उस दिलको, कहां जाके लगायें;
यों यार अगर आवे तो, रोरोके मनावें·
मिलना जो किया हमसे तो, उस शोख़ने मोहूहू;
फिर जानेसे क्या फ़ायदा, तो हाथ उठावें·
सच है के मुतां होते हैं, जो नक़्श बहूं कार;
मनसूर इन्हें यां है के, जलतांको जलावें·
आख़रमें अगर यरसोंसे, आसूगके पूछे;
यह दाग़ अगर जीने के, फ़िर तरह मिटावें·
जीतेंमें तड़ीके तरां, हुरकतसे सितमगार;
अंदर आग लगी होगी, यतां उसको बुझावें·

ग़ज़ल रोहेआलम·२०६

आजाद न हूं तेरे हाथसे, क्या काम करूं मैं;
फ़रयाद गिरेबां तुजे, बदनाम करूं मैं·
हम रखता हूं मैं तुंहोंमें, गो जाने तू मुजे;
पर इस तो क्याही तुजे, आराम करूं मैं·
के दौर जहांमें मुजे जब दीक्षह तुजीसे·
क्युं कुछ गिलये गरदिशे, ऐयाम करूं मैं·
आये जो तसवीरमें, मेरे पै कहां साकी;

अब हममें जुमो होजुमे, छेन आम कहूं मैं·
हैरां हूं तेरे फ़िक्रमें, किस तरफ़से प्यारे;
शब रोनको और सुब्हके, तुझे शाम कहूं मैं·
मुझको शेख़आलम किया, उसने रब्बने न क्युं कर;
अल्लाहका शुक्राना है, छेन आम कहूं मैं·

ग़ज़ले हाली॰ २०७

लड़ती है तेरी आंखोंको, मैं यार चमनमें;
क्या चुपड़ी पड़ी नरगिसे, बीमार चमनमें·
हा लयगी बेअसर फ़रयाद, कहे है बुलबुल;
तू अछेया मत कजनते, गुलज़ार चमनमें·
बू आन लोलाती है, सबा और तरफ़की,
शायद के वोह पीफ़ा है, तरह्दार चमनमें·
हम चहचीयोंका रक़ीबो, बया आन सलामत;
अब सैरसे मतलब है, न कुछ काम चमनमें·
ताकीद है दरबानोंको, यह बागमें आकर;
आजसे ये हाली, न गुनहगार चमनमें·

ग़ज़ले सोल॰ २०८

शर फ़हमें, जैसे मगास हम, फ़िरसमें पाबंद है;
चाहे गड्डल उस लियक, कहांमें यूं फुरसंद हैं·
रिन्दका आमिन फुहा, शेखेर कबा मुसाहद है;

તિરપર અપની સૂરતોંકે, રોજ઼ હાજતમંદ હૈ·
મક઼બરોંમેં દેખતે હૈં અપની, ઘેર આંખોંસે રોજ઼;
યેઃ બિરાદર યેઃ પદર યેઃ, ખ઼્વેશ યેઃ ફ઼રઝંદ હૈ·
તબ ભી ગ઼ાફ઼િલ ઘેરસે, ઠોકર માર કર, ચલતે હૈં યાર;
સૂઝતા ઘેતના નહીં, હમ ખાકે પૈવંદ હૈં·
જબ તલક આંખેં ખુલી હૈં, દુઃખપે દુઃખ દેખેંગે યાર;
મુંદ ગઈં જબ આંખડિયાં તબ, **સોજ઼** સબ આનંદ હૈ·

ગ઼ઝલ કમતરીહ઼·૨૦૯

ખ઼રીદારસે દુખ, નેહાં બેચતા હૂં;
મતાએ દિલ અપના, અયાં બેચતા હૂં·
ખ઼રીદાર તુમ હો તો, ક્યા ચાહતે હો;
મેં દિલ બેચતા હૂં, મેં જાં બેચતા હૂં·
ઝુલેખાસા હોગર, ખ઼રીદાર યૂસુફ઼;
તો મૈં સબકા સબ, કારવાં બેચતા હૂં·
કહા મુઝસે કાતિલને, સર બેચતા હૈ;
કહા મૈંને હાં, મેહરબાં બેચતા હૂં·
અગર તૂ મેરે છોડને, કો હૈ કહતા;
નહીં બેચતા હૂં તો, હાં બેચતા હૂં·
બિકા નામપર ઉસ્કે, હાં મૈં તો **કમતર**;
જબ આગે રહા ક્યા, અયાં બેચતા હૂં·

ग़ज़ले मोहकम २१०

करके वा दफ़ा जो सनम, आप जुदा जाते हैं;
ज़ुल्फ़पर फ़ेंकने फंदा हसे, चल जाते हैं.
गरचे उड़ताद फ़क़ इस गरदिशे अफ़लाकसे;
इस सहारे तेरे आक़, संभल जाते हैं.
पहलुए गैरमें हम देखके तुमको प्यारे;
आतशे रश्कसे जूं शम्अके, जल जाते हैं.
जो सफ़्रा फ़िरते फ़ारिग, फ़्यासे आदमियां;
तेरी रफ़्तारे क़यामतसे, निकल जाते हैं.
यों तो सुनते नहीं अफ़्याल, दिल आपना **मोहकम**;
तालिब परहेज़ हम अक, और ग़ज़ल जाते हैं.

ग़ज़ले नक़र २११

सफ़ाई उसकी झलकती है गोरे सीनेमें;
चमक कहां है यह अलमास, के नगीनेमें.
न मोती है न हिमारी, न गौहरे निश्वार;
भरा है रेशमने अंग्या, जो जाके सीनेमें.
जो पूछा मैंने कहांथी तो हंसके यूं बोली;
मैं लग रहीथी इस अंग्या, मोतीके सीनेमें.
पडा जो हाथ मेरा सीनेपर, तो हाथ अटके;
पुकारी आग लगे आह इस करीनेमें.

ને ખેરસાકી કહેતો અબ રોજ, હમ ન આવેંગે;
કભી ભી આયે તો મહફિલમેં, યા મહીનેમેં.
કભી મરકદ કભી બસ બસ, કભી પ્યાલહ પરદ;
દિમાગ કરતીથી ક્યા ક્યા, શરાબ પીનેમેં.
ચઢી એ દાદકે કોઠેપે, વાહ પરી એક બાર;
તો મેંને બ કિયા દિરહો, ઉધરકે બીનમેં.
વો: પેહના કરતીથી અંગ્યા, બે સુરખ લાહીકી;
લિપટકે તનસે ધો., તરહા ગઈ પસીનેમેં.
ગે: સુરખ અંગ્યા એ હાલી હે, ફિરનપરીકી નજર;
મુઝે તો આગ લગી હે, આરહી કે સીનેમેં.

ગઝલ-૨૧૨

દીવાના તેરા, આશિક બેર હું મેં;
ફિદા તુઝપે મુદ્દતસે, એ યાર હું મેં.
કહે આંમ લગે કેબ, આતાહું બુલિમ;
ફરેબી બે તૂ કેતા, એ યાર હું મેં.
ભરે લૂંટ શેરા, મુથા બે અબલ યોહ;
સમઝના નેરી ભુજુંગા, માર હું મેં.
મગરથે તુ ગુસ્સે, યયા યેસે નરગિસ;
તેરે બાગ લાલ નશા, બૂંદ બાર હું મેં.

ग़ज़ले नज़र· २१३

कुल नज़र आया चमनमें, जेउ जलाल रश्के चमन;
ફુલનેવોચફૂરો ખુશાલેબાસ· સુદરશોભીતાફુલનેબાગાલ ફુલજેવુંશરીર·
गुल रूख़ो गुलगूं क़बाओ, गुल इज़ारो गुलबदन·
·સુરત· શિકલમુરત શિકલ તારાનુનામ· ગાલ·ચરબેવીપેશાની·
मेहर तलअत हूरपैकर, मुश्तरी रू मह जबीन;
ચંદ્રનેવીપલંકલી સાકૂબેગાલ ઘાટલી· શરીર
सीमबर सीमाब तनओ, सीम साक़ो सीमतन·

नाज़नीं नाज़ आफ़रीं, नाज़ुक बदन नाज़ुक कमर;

ग़ुंचः लब रंगीं अदा शक्करद, हां शीरीं सुख़न·

તીન
ज़ुल्फ़ो काकुल जालेआलमजूंके हैं चक यारों गुलाम;
ગુલામુનામ નામ શકર· શેકર
मुश्के तिब्बत मुश्के चीं, मुश्के ख़ता मुश्के ख़ुतन·
ગિરફતાર
मुब्तला ऐसोंके जो होतेहैं, पैहैं ये नज़र;
બધાળફાસ·
भूलजाते दिलफ़िगारों, फ़ुरक़ते याराओ वतन·

ग़ज़ल हुसैन· २१४

બાબરાળોમારેલા
मैं चश्मए ग़द्दारः के हाथों, बीमार पड़ा हूं;

लालाकी तरह दाग़सा, गुलज़ार पड़ा हूं·

क़ातिल तु मेरे क़त्लका, अंदेशा नकर आह;

हर क़त्ल मुझे जानता मैं, तैयार पड़ा हूं·

अफ़सोस तेरे वस्लकी, शब मुझको वां कब हो;
ચારભતો મારફુડે·
मैं मुन्तज़र जिस रातका, दिलदार पड़ा हूं·

मजलिसमें तेरे जाती कि ज्यों, शीशे हैं मस्तां;
ભરત·
मैं जीतो तेरे चश्मोंका ख़ुमार पड़ा हूं·

મિલનેકા હુસૈન ઉસ્કે, ન પૈગામ તુઝે હૈ;
અહદકે લિયે બરસરે ઈકરાર ખડા હૂં.

ગઝલે અબદુલઅલીઈ. ૨૧૫

નામે ઉસ દિલબરકા હમ, સુમરન બનાયા ચાહતે હૈં;
ઔર અગ્યારોંસે ઉસ્કે મન, ઉઠાયા ચાહતે હૈં.
ઈશ્કમેં દિલબરકે હમને, દિલ બનાયા દાગ દાગ;
તખ્તએ લાલાકા હમ, ગુલશન બનાયા ચાહતે હૈં.
ખાકપા ઉસ્કી ઉઠાકર સાથ, ગરબાદે સબા;
સુરમએ કોહતૂર સા અંજન, બનાયા ચાહતે હૈં.
અનાશિકા માન્દ ઈસ પર દહન થા, હરગિઝ અલીઈ
અબ સિતમગર ખુલખુલે, ચિલમન લગાયા ચાહતે હૈં.
ફાસિલા હક બસ સનમકા, ખાકપર મત ધર કદમ;
તંગ કદમોંકે તલે દામન, બિછાયા ચાહતે હૈં.

ગઝલે આશિક. ૨૧૬

દોનોં ઝુલ્ફેયાર માહપારે હૈં;
અબરૂ ઔર ખાલ, ચાંદ તારે હૈં.
હમને દો જાન દેકે હારે હૈં;
તુમ હમારે હો, હમ તુમ્હારે હૈં.
નહીં બૂંદે અરક કી, ચહરે પર;
ચાંદકે મુંહપે યહ સતારે હૈં.

એક ખ્વારી તો જાનમેં આગને;

(આરજુરાખનાર)
ઉન્સે મુશ્તાક, હમ તુમ્હારે હૈં.

ચૈન મજલિસમેં આજ મારો હો;

સચ બતાઓ યહ ક્યા, છેરાર હૈં.

રાતેં કાટી હૈં, તારે ગિન ગિન કર;

તિનકે ચુન ચુનકે, દિન ગુજારે હૈં.

જિનકો કહતે હૈં, ગાને સેહરાકે;

વોહ મેરી આહકે શરાર હૈં.

પેચમેં જિસકો આઓગે સાહબ;

આજ જિસકેલિયે સંવાર હૈ.

દિલ બતાજકો ગા નીમ કિયા;

તેર અબરૂ નહીં યે: જાર હૈં.

આશિક હાનસે ઉસ પરી રૂકે;

(દુશ્મન)
હા ગમે ખ્વ ચંદ, તુમ્હારે હૈં.

ગઝલે નં. ૨૧૭

(સાહિત)
જાહ નજદીક રહો જાન, રહો દૂર હમેં

દિખલા એક નજર તુમકો હૈ, મંજૂર હમેં.

સૂરતે હકતો હર, આઈનેમેં હૈ જલવા: નુમા;

દિલ ચુરાનેસે અપને, નહીં મગરૂર હમેં.

જિસકા દિલ હૈ કે ઉસ, સૈર ગુલાં ગુલશનકી;

इस तेहलिहूसे यारो, रखो माजूर हमें·
हिजरकी रात तो, रजतीफ़ नहीं है, यारब;
क्या दिखायेगी अजब, आखिर शबे दैजूर हमें·
अब तड़फनेकीभी ताक़त, न रही हमको रजब;
इस क़दर आह किया इश्क़ने रंजूर हमें·

ग़ज़ले रौनक़·२१८

ताजकी नज़ते कुंगां, आह मुझे ताब नहीं;
नासेहा सब्रकी पलाँह, मुझे ताब नहीं·
दिलके यहां टुकडे न होवें कली मानंदे कतां;
बस तेरी दीदकी ऐ माह, मुझे ताब नहीं·
सईह अय दिलने सिपारे पेरे तिमसाले बुतां;
बुत परस्तीकी अब आलाँह मुझे ताब नहीं·
होसला तंग है यहां बेहूदा गोईता पर;
अब ज़बांकी लियेकी ताह मुझे ताब नहीं·
हम तिरी याहमें यूसुफ़से हुसा कहे ग़ज़ब;
उठे कुन्यारसे कहीं याह मुझे ताब नहीं·
ऊठी खोया ग़म परवानेमें रोते रोते;
आह ये शम्अ़ सहरगाह मुझे ताब नहीं·
ग़मे हिज़रांसे कुछे रौनके ज़ दिलको नजात;
आगे ग़म खारीकी या शाह मुझे ताब नहीं·

ગઝલે સોઝ ૨૧૯

મેરે દિલમેં હૈ જો ફરી યારસે, ખુલંગા નસીબ કિસીકે હુવા હી નહીં;
કહું કિસસે મેં હાલે દિલ અપના અયાં મેરે દરદીયોં તો દવા હી નહીં.
વિચારકરે
મેરે દિલકી તપીશકે તો ગૌર કરો, મેરે યારસે ફિકર ન ઓર કરો;
તકલીફ (રસ્તો)
કોઈ યારસે મિલનેકા તોર કરો કે દયારસ લાહાલતી થી કુછ હી નહીં.
કહું મેં દમ ગુલસે યે ફ દિલ નજિલા રહ, રોતે પામરકે મેં દીદ હસદ;
કહું રે હૈ કે અહલે નમ મેં બાગમેં કયા, મુઝે રશ્ક યહાંકી હવા હી નહીં.
ગાલો
તેરે રૂખસે કમ કહીં બાગમેં લાલે ગુલઝાર સબાને બેનામલિયા;
ખુશાલ ઉભનાર
કહું દિલ-એ-જાન સે ખુલે હુસ્ન, કિસી ગુલકા હવાસ જલ નહીં.
એસી ઓર તો કોઈ તાહજ ગઝલ એસે અહરકા કાફિયા સોઝ બદલ;
ખુશી
ગયે દિલ દુશ્મન કરકે ખુશ અપના જિલાલ બાર યકરાર કહાં નહીં.

ગઝલે ગુલામ અહમદ ૨૨૦

ખુશબો, હવા, બહાર
મેરે જાનાનાં કહતે તુજકુ ઘટા જે નાદરીન;
કસ્તુરી આપનાર હરણ
જિસકી ખુશબો કોન પોંહચે નાફે આહુ એ ચીન.
તુજકુ યા દામ હૈ યા મારે મુશ્કી પેચદાર;
જિસકે બલખાનેસે મેરે દિલકો અબ તસકીં નહીં.
કયા અજબ એજ ગાહ હસીં હૈ જિસકે હુસ્નો નાઝનીન;
ડાઘ ઓપઆપનાર
દાગ આયે હૈ નગીંપર રશ્કસે માહે જબીન.
ખુબી મારફૂડી બાગાન
ફુસ્ને ખુબાંકી હકીકત કયા કહે જિસકે રૂબરૂ;
ખુબસુરતો
દિલ રૂબાઓમેં નહીં દેખા કોઈ એસા હસીન.

शुक्र लिल्लाह क्युं न हो, ताले बलंद अहमदके जब;
हश्र उसके आगया है जेर अलअजमहे नबीन.

गजले खलीक. २२१

गुल रुखोंमें वफाका पास नहीं;
बू गुले कागजमें बास नहीं.
दीजिये तोफले दिलको अपना निसार;
हाजत तो भी उन्हे सिपास नहीं.
मुंह छिपाया है महरुखा मुखडे;
जो वफादा कुछ हिरास नहीं.
रहते हम आजमाये कब तलक है अजदस,
पेंच अजगुस्त अक्ल रास नहीं.
सूरते दर्द पीरहन होंदे खलीक.
क्युं तु मुजतर है, और हवास नहीं.

गजले सोज. २२२

उस सरुव कदकी दोस्तीमें कुछ समर नहीं;
नखले महब्बत आहमेरा बारवर नहीं.
उस संग दिलको हालपे आया न मेरे रहम;
ओ आहो नाला है, के तुममें असर नहीं.
थाकुल लाले यारसे बेहतर नहीं यले;
पर बेहरीको उसकी परजपर नजर नहीं.

ક્યું મુઝસે બેગુનાહકો નાહક કરે હે કતલ;
ઐશુખ તેરે દિલમેં ખુદાકા ભી ડર નહીં.
કાસિદકી ક્યા મજાલ જો કૂચેમેં જા સકે;
લઈ જનાર.
જુઝ મુર્ગે રૂહ કોઈ મેરા નામાબર નહીં.
સંદેશો.
મેરી તરફસે દી જો સબા ગુલકો યેહ પયામ;
પાંજરું.
આઉં કફસકો તોડકે પર બાલો પર નહીં.
નસીહત કરનાર. નસીહત.
હરગિઝ જમાન સોજ તુ વાએઝકી ગુફ્તગુ;
જરહ ભી ઉસકો અસલે સુખનકી ખબર નહીં.

ગઝલે સોદા. ૨૨૩

તુકડી.
જત્થે જગર આંખોંસે, હરમાન નિકલતે હેં;
યેઃ દિલમેં મહબ્બતકે અરમાન નિકલતે હેં.
મરેલા. દફન થવાની જગા.
તુઝ તેગે નિગાહકા હે, કુશ્તોંકા જહાં મદફન;
ફરીયાદી. ફકીર.
સજનકી જગાહ યહાંસે પૈકાન નિકલતે હેં.
ગાળેલું.
સર પાકો ગિરેબાં ચાક આશિકકા જફૂન દામન;
ક્યા ઘરસે તેરે આશિક બા શાન નિકલતે હેં.
પેટ. માતા.
યેઃ રૂમઝ ઐયાગો ક્યા બતનસે માદરકે;
લે કતલકા આશિકકે ફરમાન નિકલતે હેં.
સોદાકે દિલસે જિસ્કૂલ મુશ્કીલ સહીસે જાયેગી;
યારોંસે મિયાંજ કુછ આસાન નિકલતે હેં.

ग़ज़ले शूरीदा. २२४

बातोंकी गरमियोंसे जलते दिलो जिगर हैं;
ये तिश्नगीसे अपने बेज़ार ओ रुख़सार है.
तेगे निगाह किसकी देखी है हमने यारब;
लब खुश्क हो रहे हैं छाले ज़बांपर हैं.
याराने रफ़्तगांका मत पूछ मुझसे क़िस्सा;
ऐ हमनशीं मैं भी हैरां हूं वे किधर हैं.
खुरशीदे माहरूमें किरनें ही देखता हूं;
ये: किसकी आरज़ूमें आवारा दरबदर है.
सीनेपे दागे सोज़ आंखोंमें अश्के ख़ूनी;
इस नख़्ले आशिक़ीके ये: गुल है ये: समर है.
किस शोलारूके गममें रोया है इस क़दर तू;
ऐ गरम अश्क तेरे शूरीदा क्यूं शरर हैं.

ग़ज़ले मफ़्तून. २२५

बुतां नाज़के ज़ुल्फ़ें दाता बांधते हैं;
गिरहमें दिले मुब्तला बांधते हैं.
नहीं हंसते बुल्बुलसे अपने चमनमें;
हम अब आशियाना जुदा बांधते हैं.
मैं यहां खून रोताहूं आंखोंसे अपने;
वे पांवोंपे उनके हिना बांधते हैं.

कहां बैठेंगे पर न फ़ारेंगे जडो;
येः हम तुमसे रिश्ते पक्का बांधते हैं·
गिरह देके सरपर जो बालोंका जूडा;
येः ताल्लुक जहन खुश अदा बांधते हैं·
हर एक तारमें उसके दिल्हाये आशिक़;
ज़ख़्म ज़ख़्म कर कर जुदा बांधते हैं·
मियां हाल मईलूंका देखा नहीं क्या:
कमर आप कसकर लसां बांधते हैं·

ग़ज़ले नासिख़ २२६

दिलमें पोशीदा तपे इश्क बुतां रखते हैं;
आग हम संगकी मानिंद नहां रखते हैं
मिस्ले परवाना नहीं कुछ दरो बाल अपने पास;
हम फ़क़त तुमपे फ़िदा करनेको जां रखते हैं·
महफ़िले यारमें कुछ बात न निकली मुहसे;
कहनेको शम्अके मानिंद ज़बां रखते हैं·
होगया जर्द पडी जिसकी हसीनोंपे नज़र;
येः अजब गुल हैं कि तासीरे ख़िज़ां रखते हैं
छीनने मुल्के जहां मुल्के सुखन है नासिख़;
जो नहीं हुकमे रवां तब्ए रवां रखते हैं·

ग़ज़ले मुहब्बत. २२७

ખટ્ટા.
हो तुरशरू तुमने दी क्या कड़वी कड़वी गालियां;
हमने लूं शीरीं शकर किस किस मज़ेसे बालियां.
रख्ते हैं बाज़ो मिसी का शौक़ सब छबियां चले;
મનપસંદ લાલી હોઠ.
वोः कहां दिलचस्प सुरख़ी वोः लबोंकी लालियां.
બહાર.
साफ़ खुलती है उसदम उन लबोंकी कैफ़ियत;
जब नज़र आते हैं वोः अंखड़ियां मतवालियां.
સુરજ. ચંદ્ર કુરબાન.
येः नहीं शमसो क़मर सरपे तेरे करते निसार;
સોના રૂપાની
आस्मां लाया है भरकर सीमोज़रकी थालियां.
કાળા ઝાંખું.
कुछ दिखाते यां दसः मुजड़ा के भूं भारे सियाह;
बिन तेरी ज़ुल्फ़ोंके येः डिस्ती हैं रातें कालियां.
किस तरह हमपर न खुल जाये दरेशादी भला;
हैं तेरे ग़मकी मुहब्बतमें कुफ़्लकी तालियां.

ग़ज़ले ओबारी. २२८

માળી. ફળ.
बाग़बां नख़ले मुहब्बतमें समर है के नहीं;
મોહબ્બત ઝાડ
कोई भी इस बाग़में उल्फ़तका शजर है के नहीं.
બાલ પાતળી
मूसे बारीक बताते हैं कमर उस गुलकी;
બારીક
नहीं मालूम के उस गुलकी कमर है के नहीं.
बैठे कूचेमें मुझे देखा तो कुछ कह बोले;
यहांसे उठ जाये अब आपका घर है के नहीं.

જુદાઈ રાત.
હિજ્રકી શબ ન કટી ગુજર ગઈ સબ ઉમ્ર મેરી.
જુદા. જુદાઈ. વાકેફ (ખબર)
યા ઈલાહી શબે હિજ્રાંકી સહર હૈ કે નહીં.
માશૂક.
અય બલા મુજકો સનમ તુજકો ખુદાકી સોગંદ.
દયા
વો: તેરી મેહરકી અગલીસી નજર હૈ કે નહીં.
શિકાર
બાલોપર તોડકે સૈયાદ લગા યૂં કેહને;
કોઈ બતલાઓ તો ઉસ મુર્ગકે પર હૈં કે નહીં.
વો: જો ઉસ તરફસે ગુઝરે તો લગે યું કેહને
મિયાં ઔબાશીકા ઉસ રહમેં ગુઝર હૈ કે નહીં.

ગઝલે સોહા. ૨૨૯

ગૈરકે પાસ યેઃ અપનાહી ગુમાં હૈ કે નહીં;
ફાંસર. નહીંતો
જલવઃ ગર યાર મેરા વરનઃ કહાં હૈ કે નહીં;
સૂરત. ત્રિકોણ
મેહર હર જર્રમેં મુજકોહી નજર આતા હૈ;
જરા
તુમ ભી કુછ દેખો તો સાહેબ નજરાં હૈ કે નહીં.
ઈલ્મ
પાસે નામુસ મુજે ઈશ્કકા હૈ એ બુલબુલ;
નહીંતો. રડવાનો. પોકાર.
વરનઃ યહાં કૌનસા અન્દાજે ફુગાં હૈ કે નહીં.
દિલકે ટુકડોંકો બગલબીચ લિયે ફિરતા હૂં;
કુછ ઈલાજ ઈસકા ભી એ શીશાગરાં હૈ કે નહીં.
તલવાર
આગે શમશીર તુમ્હારી કે ભલા યેઃ ગરદન;
આરજૂ. વધારે પતલી.
મુઝે બારીક તર એ ખુરી કમરાં હૈ કે નહીં.
ગુનાહ. ભલા.
જુર્મ હૈ ઉસકી જફાકા કે વફાકી તકસીર;

કોઈ તો બોલો મિયાં મુંહમેં જબાં હે કે નહીં.
પૂછા એક રોજ મેં સોદાસે કે એ આવારા.
તેરે રહને કા મોઅય્યન ભી મકાં હે કે નહીં.
ચેક બચક હોકે ફિર આંસુ બતા લગાયે કહને;
કુછ તુજે અકલસે બહરહ ભી મિયાં હે કે નહીં.
દશ્તમેં કેસરે ફરીદુનકે દરપર એક રોજ ફરન;
કહકહ જન હોકે પુકારા કોઈ યહાં હે કે નહીં.

ગજલે ખુસરો. ૨૩૦

જહાલે મિસ્કીંમકુન તગાફુલ દુરાયે નેનાં બનાયે બત્યાં.
કે તાબ હિજરાં નદારમ એ જાં ન લેહો કાહે લગાયે છત્યાં.
ચાશમ્અ સોઝાં ચાં ઝર્રહ હૈરાં હમેશા ગિરયાં બઈશ્કે આં મેહ;
ન નીંદ નેનાં ન અંગ ચેનાં ન આપ આવે ન ભેજે પત્યાં.
શબાને હિજરાં દરાજ ચું જુલ્ફ રોજ વસલત ચો ઉમર કોતાહ;
સખી પિયાકો જો મેં ન દેખું તો કેસી કાટું અંધેરી રત્યાં.
યકાયક અજ દિલ દો ચશ્મ જાદુ બસદ ફરેબમ બબુરદ તસ્કીં;
કિસે પડી હે જો જા સુનાવે પિયારે પીકો હમારી બત્યાં.
બહક્કે રોજે વિસાલે દિલબર કે દાદ મારા ગરીબ ખુસરો;
દાબ રાખૂં તુ સુન ઐસા જતન કે કહને પાંઉ દો બોલ બત્યાં.

ગજલે મુજતર. ૨૩૧

કીસી કિસ જબસે કુછ જાન લે બેદર્દીકી રીત;

रश्केइरम फूंने लगाई आग है, मरजानकी जान·
शोले गुल रकसमें है चमनमें आती है नसीम;
कुकुनां जरगामें सुन बुलबुले बुस्तानकी तान·
सुनके फूनेसे भडकसहल्ले न यर आये तेरा;
गोरके ताके किसीमरदे मुसलमानकी आन
कुछ ये ललामें लगा दी इक लिया ऐने मालेन;
फाश है इस लये फूंके साकहमें गेरकानके कान
फारिसमे रकूर संभे याग न होना मुक्तलर;
तेंगो किपंन्हीं वहां तिक्षिये सोजानकी आन·

गजलें वजन दुर्वाक्. २३२.

शान [illegible] मे,
[illegible] दिलकी याग की [illegible]
[illegible]
[illegible] यारीमें
[illegible]
[illegible] दिया [illegible] दिया [illegible]
[illegible] तुझको मिला;
हाथ क्या आया तेरे ऐसी सितमगारीमें
कुसा कुरफारसे लाखों हैं यहां मजरुहाँ;
आखिरश मर ही गये ऐशे हुसनीमारीमें·

ग़ज़ले गोया. २३३

शबे विसालमें क्या यारसे दोचार हूं मैं;
रहा फ़िराक़में जलता तो शरम सार हूं मैं.
मला न कर मुझे शोनमसे ऐ गुले ख़ूबी;
चमन है क्या तेरा जल्वे नौ बहार हूं मैं
तुझे ख़्याल जो नित सैद अद़ कनी का है;
लगा दे तीर मुझे मुद्दतका शिकार हूं मैं.
जो दामी है तेरे कानोंकी बालीकी मछली;
मिसाल माहीके जल आबों, जे क़रार हूं मैं.
जो तेरी तेगे अदासे न मुझसे मुंह मोड;
तो पहले पारमें दरयाके गमके पार हूं मैं.

ग़ज़ले मुरव्वत. २३४

हुमगे जानासे जाते हैं प जा सकते नहीं;
गो उठाते हैं क़दम पर दिल उठा सकते नहीं.
मेरे नालोंकी फ़िरने सुनी सदा यहांतक के जरस;
पास मुझको फ़िरके हमसाये बिठा सकते नहीं.
दर्द मे हो जये महब्बतका तो उसके छीनते हाल;
दिलकी वे सबरीसे पर हम आज़मा सकते नहीं
मरके क़रयादे फ़िज़ां करते हैं मुरग़ाने चमन;
चहचहे पर नालोंहीमें कुछ बजा सकते नहीं.

कोई उसकी और हमारी देख्यो सोहबत ज़रा;
मिल रहे हैं दिल पर नज़रें मिला सकते नहीं.

हम असीरोंको मिला है तंग यहां ऐसा क़फ़स;
નીચે આકાશ જરા તડફડવું
ज़ेरे गरदूं हुक ज़मीं पर तलमला सकते नहीं.

બગલ દલગીર
अपने पहलूमें दिले बेताब है यो: ग़मज़दह;
जिसके हाथोंसे कहीं आराम पा सकते नहीं.

क्या हुए वो: दिन कि ये: पैग़ाम आते ही नहीं.
अब तो दर्दे हिज्रकी आफ़त उठा सकते नहीं.

सूरत अपनी तुम किसी सूरत दिखा जाओ हमें;
हैं पराये बसमें हम लाचार आ सकते नहीं.

एक नई अंदाज़की पढ़ ये मियां अशरत ग़ज़ल;
इससे बेहतर अब कोई मज़मून ला सकते नहीं.

ग़ज़ले सिराज. २३५

ईद फ़स्ले सरव क़दसे है मेरे घर शादियां;
आलमे बालासे आती हैं, मुबारक बादियां.

નરાકુચવુ
क्या तबस्सुम क्या अदा क्या नाज़ क्या अंदाज़ से.
નરક
याद है उस शूख़ को फ़ितनगरीकी उस्तादियां.

ઢીલી
साक़ हालोंसे निगाहोंके मुझे करता है क़त्ल;
ખૂનકરનાર. જુલમગારીયો
ज़ुल्म है उस ज़ालिममें, ख़ूंरेज़पर जल्लादियां;

મહોબ્બત
पांवमें ज़ंजीरे उल्फ़त और गलेमें तौक़े ग़म.

के़ दिले वह़शीको मेरे क्युं है आबादियां·
क्या चले हाथ निगाह मेह़रबानीसे मेरे;
सैद होजाये यहां सैयादकी सैयादियां·
गरचे लैली अपनी खूबीसे नहीं आती है बाज़;
छोडता नहिं अज तलक मजनू भी अपनी वादियां
ताकपरसे दिलके जलता है आईना सिराज;
याद आती है जब मुझे उनकी तरफ़ शादियां·

गज़ले नज़र· २३६

जता है जान मेरी तो मैं सरबस्त हूं;
ऐ यार मैं तो कुश्तए रोजे अलस्त हूं·
ऐ दम की ज़िंदगीके लिये मत उठा मुझे;
मैं बेखबर मैं नक्शे ज़मींका निशस्त हूं
तु मस्त कर शराबसे जो गुलबदन मुझे;
मैं आप अपने शीशए दिलका शिकस्त हूं·
कुछ बे तरीक़ मुझको समझियो न ज़ाहिदा;
गर तू खुदा परस्त है मैं बुत परस्त हूं·
दिल संग दिल बुतोंका गिला क्या करूं नज़र;
आलिम मैं तेरी चश्मे गुलाबीसे मस्त हूं·

गज़ले ईमान· २३७

गर नज़रकी हो तेरी जुल्फ़की ज़ंजीरमें जान;

आह अलीरह अेक नालअे शबगीरमें अन·
आजे है यांसे फुगाअे मगर जिसका पैकान;
ताब पडती है तेरे तीरसे नख़चीरमें अन·
यो: अे गुस्ताख़ है क्या हाल है उनकी प्यारे;
यहां तो आती है निकल अेक ही तक़सीरमें अन·
ईस तरह भी तो किसी रोज़ कभी आजा चल;
न रहे सैरे हरमकी कहीं तुम तीरमें अन·
आये बिस्मलके तूअे अअेन मसीहाईपर;
हाल कहते ही पडे जालिम तस्वीरमें अन·
शौक़ होता है जब **ईमान** किसीके दिल यस्त;
तब तलक मानिये शीरीं नहीं तहरीरमें अन·

गज़लगिरियान· २३८

क्या तूने यारसा कुदल अेक यासमन नहीं;
नसरीन नहीं गुलाब नहीं नस्तरन नहीं·
खुरशीद रूअे शौक़से है हो रहा निसार;
रोपीसे गिर्दे यारके हरगिज़ कदम नहीं·
लाले लबे निगारसा दंदाने यारसा;
दुर्रे अदन नहीं है अक़ीके यमन नहीं·
मदहूस हो अे तेरा निगाहका तो फिरउसे;
यारो कुछ अेह तो याद न गुरज़ो कुछ न नहीं·

परवाना कौनसा है के जले घेरके में लेरे;
सोज़े बदरंगे शम्अ बहर अंजुमन नहीं.
शम्अ को दुगना तो सुब्ह अलम शाम दरदो ग़म;
हम हैं फ़िराक़ यारमें, ज़्याऊया मेहन नहीं.
गिरियांसे क्यूं नज़र न फिरावे वो: पुर ग़ुरूर;
अेक चश्म पर थेह गर्दिशे चरखे कोहन नहीं.

ग़ज़ले मीर. २३९

दिन नहीं रात नहीं सुब्ह नहीं शाम नहीं;
वक़्त मिलनेका मगर दाख़िले अैयाम नहीं.
मिस्ले अंक़ा मुझे तुम दूरसे सुनलो वरनह;
नंगे हस्ती हूं मेरी जाये बजुज़ नाम नहीं.
जनरे राह दुलढ़ जलके बोहात दूर खिंच्या;
उम्र गुज़री के नहम नाम को पैग़ाम नहीं.
राज़ पोशीदा मुहब्बतके लिये चाहिये ग़ज़्ल;
सांतो बेताबीये दिल बिन मुझे आराम नहीं.
बे क़रारी ने उठ देवे है, सो कहता है;
कुछ तो है मीर के अेकदम तुझे आराम नहीं.

ग़ज़ले मरहूम. २४०

मैं मुन्तज़िरे जलवये दिलदार खड़ा हूं;
मुश्ताक़ी दूरंदह तालिबे दीदार खड़ा हूं.

एक दिन मेरे जालीमपे न आया तू रहम;
परवाना सिफ़त जलनेको मैं तैयार खड़ा हूं.
गर तेग़ चलाना है तो लगा जल्दसे क़ातिल;
मैं ऐक मुहब्बतका   गिरफ़्तार खड़ा हूं.
जेन फ़ेहरयां जर सरे बाज़ार खड़ा हूं;
मैं नावाक़ा फ़ूजोंके ख़रीदार खड़ा हूं.
महफ़िलमें तेरी कोई नहीं मुझको रसाई;
फ़ैरत बहुत लेकिन, पसेदीवार खड़ा हूं.
गर मिलना है तो मिलले मेरे जसे जानी है;
चलाहु के जिस जनेसे बेज़ार खड़ा हूं.
न रैससे मतलब, न गरज़ डा. जैसे मरहून;
मैं जरस निराबे ईश्कमें सरशार खड़ा हूं.

ग़ज़ले नासिफ़ · २७१

सब हमारे लिये ख़ंजर लिये फिरते हैं;
हम सरे जुल्फ़े गिरहगीर लिये फिरते हैं.
कौनथा सैद यहां दार के जब तक सैयाद;
जानोपर उसके तेरे तीर लिये फिरते हैं.
तेरी तस्वीरसे मिलती नहीं किसकी सूरत;
हम जहांमें तेरी तस्वीर लिये फिरते हैं.
रोगे जूनाने जहां मिलते ही बरहमहुए;

પાણી
આપ નરૂદ આંખોંમેં, ઇકસીર લિયે ફિરતે હૈં.

જોહી મરતા હૈ તલા, કિસ્કો અદાવત હોગી
આપ કયું હાથમેં, શમશીર લિયે, ફિરતે હૈં.

હુકમ માનવી ઘોરાગ
સર કશી સમઝ કી લગતી, હમેં ગર આંખોંમેં;

મળલિસ
લોગ ક્યા જનમમેં, ગુલગીર લિયે ફિરતે હૈં.

ગઝલે નાસિખ ૨૪૨

જુદાઈ
હમ જમાને શખ્સસે, સુનતે હૈં હિજરે યારમેં;
યાહિયે ઘુલઘુલકે મરના ઈશ્કકે આજારમેં.

લીલ ભારૂક
મેરે દિલમેં હૈ ગમે જાલોજતે નનાંસે દાગ.
મુશ્કલી થોડા છડ કહી, મર હમે જંગારમેં

આંસુતી જનેનનહી
દૂર ગર આંખેં હોમેં, રોનાહો કમ મુમકિન નહીં;

ઘણુ કરીને વાદળ દરિયારને દેલું પાણી પરસાવે નોર
હોતી હૈ અકસર સુફેદી અબ્રે, દરયાબારમેં

ભારૂક ડાંકસી પાવ
મિસ્લે શાના ઈશ્કકે ગેસૂમેં, હુવા હૂં ચાક ચાક;

વાળ બાનેમાં
તારે ગેસૂસે લગેં રાંડે, દિલે અફગારમેં.

જુદાઈ પડવાનો રસ્તો
હૈ અસર કિસ્કી નિગાહ, તફરકા, અંદાજ હા;

બાગમેં ફૂલ
જુલ જુલે હૈ દામમેં, ઓર આહ ગુલ બાજારમેં

તોપ નબીનુનામ
ગરમિયે બાજારે યૂસુફ, આગે ઈસ યૂસુફકે ક્યા;
મુંહ દિખાતે હી લગાવે આગ જો બાજારમેં.

ખુનેકરનાર મેહેનત
જોડે હૈં ખુંખાર ઉનકો, રંજ દુન્યાપેં નહીં;

કાપ્યું હોઠ મારીપકડ્યાજોવા
છેદ હૈ મૌજૂદ જબ દેખો લબે સૂફારમેં.

રસ્તો· સુનકરમાસા બારબાર·
राहे ज़ुरेअ़में वोह ड़ालिस, बेरब्बाहे ड़ हम;
चलते चलते पड गये, छाले तेरी तलवारमें·
आईताबे फ़ुरक़ती मुज़को, जयाकर बयागण;
લીલ·
सोनेवाला हूं किसीके, सायये दीवारमें·
जिस्तने गुलहो मुबारक, यारको आगे बहार;
फूब चलकर लीजिये, अब चाहिये फुर ब्यारमें·
કૌસરનહેરનાપાનાર· એતાગુરુના નામ·
साक़िये कौसर पिलाता है मुझे जुम शहीर;
નબીરસાહેબનુ નામ·
मस्त हूं नाज़िब मैं, छैरके अहमदे मुख्तारमें·

ग़ज़ले रहमत· २८३

वस्लकी उम्मीदमें, हमने यहां आहियां;
हैज तेरी चाल हम, दिलमिने पचताहियां·
કલુ· કસવું· કલૂં· ગુસ્સો·
गाह तबस्सुम, कूं गाह ग़ज़बकी निगाह;
किसने सिखाई तुझे ऐसी है चतराईयां·
वस्लकी उम्मीद है, मुझ नहीं है रवा;
સાહેબિયો
अ़र्ज़ मेरी है यही, सुनलो मेरे साइयां·
हाय न समझे हमें क्यूं, हुझे ऐसे कठन·
बजके लगाई लगन उसकी, सब पाईयां·
हिज्रमें रहमत तेरे, रोतेही रोते सनम·
નજીક
पड़ता है जुन करीब, अब निकल आईयां·

ગઝલે શાદાન ૨૪૪

ગર સૈરે ચમનમેં, હમેં બુલવાઓ તો આવેં;
સબ મિલ્તેં ઔર ચૈનસે બિઠલાઓ તો આવેં.
આનેકો તો કહતે હો, મગર એક તરફસે;
હરસૌ હર એક અન્વાઅકી, મંગવાઓ તો આવેં.
ચવ તરફ લગા હોવે, એક ઈરરી મુકલ્લલ;
હરસૂ શમ્અ કાફૂરીકી જલવાઓ તો આવેં.
ગર બઝમ લી, ઘેતરોંસે જો હોત હોવે ખોઅન્તર
ઔર કિશ્તીયાં પોશાકકી ચુન્વાઓ તો આવેં.
સુથરાસા પલંગ હોવે લબે નહરપર આરા;
ઔર સેજલી ફૂલોંકી જે, બિછવાઓ તો આવેં.
શીશે પે હો શીશે, વ ગુલાબી પે ગુલાબી;
વહાં ગરમિયે સોહબતસે, ન ઘબરાઓ તો આવેં
સબ હોવે મોહૈયા, વહાંપે ઐશકાસા માન;
શાદાં મઝે મૌલૂદકા જે બુલ્વાઓ તો આવેં.

ગઝલે નઝર ૨૪૫

ક્યું ન હો બામપે, વો જલવ: નુમા તીસરે દિન;
માહલી છિપકે નિકલતા હૈ, દિલા તીસરે દિન.
હાથસે જબ તો કલમ, રહેહે મસીહા રંજર;
તુઝસે બદલે હૈ નકાહ, ફકમા તીસરે દિન.

ગરચે દરયામે મહબ્બતકી નહીં મિલ્તી સારી ;
ઘર ન ડૂબા હુવા નિકલે હૈ, સુના તિસ્રે દિન.
દિલે બીમાર રહે ઇશ્કમેં, કયુંકર સર સબ્ઝ ;
ખાકસે દાનેકો હૈ, નશ્વ નુમા તિસ્રે દિન.
છોડ મત નુક્ઝકે યારેકો, તૂ દરયામે હનોઝ ;
સાંપકે કાટેકો દેતે હૈં, જહર તિસ્રે દિન.
તીન દિન ચશ્મકે, બીમારકા કર અપને ઇલાજ
હોતી માલૂમ હૈ તાસીરે દવા તિસ્રે દિન.
લોગ કહતે હૈં, કે હૈ ફૂલ તેરે કુશ્તેકે ;
મેંહદી હાથોંકો તુ કાતિલ ન લગા તિસ્રે દિન
ઉમ્ર યેક હફ્તા નહીં બાગમેં એ ગુલ મત ફૂલ.
રંગ બદલે હૈ, જમાનેકી હવા તિસ્રે દિન.
યાર દરઇ ઉસ બુતે, પુર ફનકે ઉપર સેન નજર ;
આપસે આપ ન હો જાતે જુદા તિસ્રે દિન.

ગઝલે સોદા. ૨૪૬

ન ગુંચે ગુલકે ખિલ્તે હૈ, ન નરગીસકી ખિલી કલિયાં ;
ચમનમેં લેકે જમ્યા ન ઉસીને અપડિયાં મલિયાં.
કહીં મહતાબને દેખા હૈ, ઉસ પુરશોર તાબાંકો ;
ફિરે હૈ ઢૂંઢતા હર રાત, બહાં આબાદકી ગલિયાં.
લબસુંમ યું નુમાયાં હૈ મિસ્સી આલુદહ હોઠોંસે ;

વાદળ કાળું
नहो अब्रे सियहमें, छिस्तरह बिजलीकी अयपरि
યાં
लबे गुंचा तेरा आहे, किसी ख़ूबांने आलममें;
ग़ज़ल है ये ज़बानोंपर, के सब मिसरीकी हें डलियां.
दिवाना होगया सोदा, तु आखिर रेख़्तापरहपढ
नमें कहता था, मैं ज़ालिम के, ये बातें नहीं अलियां.

ग़ज़ले इनशा. २४७

रूबरू उसके जब निगाह, सब घट जमालो तीरो निशाम
આઠાં;
नहो ये डिसजुलके गरबिचारे तो, कयुं हो मेले कर नाम आठों.
લુથડી· ઓઠ· મોહ· ચેહરો કપાળ· આંગુઠાપાસેની આંગળી
बड़ब कनज़ेहां लबो दहानो, रुखो जबीनो नमके मुसबाह;
सिखाते हैं उस परीको, काफ़िर ये मिल्के सब कतल आम
પડદો· શરમ· આઠો·
अदाओं नाज़ हिजाबो ग़मज़ा, करिश्मा ख़ूबी हया तगाफ़ुल;
તૈયારી·
तुम्हारे चितवनके आगे आगे ये करतेहैं, ज़ेहते पाम आठों.
દિલગીરી·
अपने लगाप रचम के, सुमुडड़ा मलाल गुस्सो करम फ़ोकार;
किसीके पांउंपे गिरतेहैं, यहां किसीका इछ्छ महीमा आठों
शिकोतो सबसे कहारो, ताअल्लत निहां आरामो शैरो सोहबत;
तुम्हारी खिदमतमें जो ही, बैठा हूं मैं तो ये लाके साम आठों
सरीरो चतरो अम्बर सरो मुल्को, सिकोहो तालो, कमालो नाफ़ल
મદદભરેલું
मेरे मुले मांहो दे पहुंचाये ज़हरा ज़ैहते शाम आठो.
न पूछ मुझसे तू इनशा अबांह के नाम आरीके कयाहे
યકશી;
नबीलो फ़ुस्या फ़राजो फ़रस्ता ग़रीब जांह ग़ुलाम आठों

ગ઼ઝલે નાસિખ઼. ૨૪૮

ગરમહે ગરમિયે બાઝ઼ાર તેરે કૂચેમેં;
જીન્સ હૈં તેરે, ખ઼રીદાર તેરે કૂચેમેં.
દેખકર તુઝકો કદમ, ઉઠ નહીં સકતા અપના;
બન ગયે સૂરતે, દીવાર તેરે કૂચેમેં.
(ચખતમાં)
દેર પેશાં હૈ તેરે અફ઼ઇમે હૈ, ડાંબા બરાબ;
જીન્સ હૈ કાફ઼િરો, દીદાર તેરે કૂચેમેં.
ઔર ક્યાં સેંકડો બેકારા પડે રહતે હૈં;
હૈ મગર ખાનએ ખ઼માર તેરે કૂચેમેં.
(ચોકીદારો)
પાસ્બાનોંકી તરફ઼ રાતોંકો, બેતાબીસે;
નાલા હમ કરતે હૈં બેદાર તેરે કૂચેમેં.
નૂર હૈ ઇશ્કને યેઃ તફ઼રકા, પરદાતકી.
હમ હૈં ઝ઼હદામેં, દિલે ઝૂર તેરે કૂચેમેં.
(દફન થવાની જગ્યાં)
આરઝૂ હૈ જો મરૂં તો, યહાં મદફ઼ન હો મેરા;
હૈ જગહ થોડીસી દરકાર તેરે કૂચેમેં.
(ફરવાર)
હાલે દિલ કહનેકા નાસિખ઼ નહીં પાતા કરાર;
દેખ ઝલતા હૈ વોઃ બેઇમાર તેરે કૂચેમેં.
ગર યહીં હૈ તેરે, અબરૂકી ઇશારત કાતિલ;
આજ કલ ચલતી હૈ તલવાર, તેરે કૂચેમેં.

ग़ज़ले सुलतान २४९

गुलके बिस्तर थे, नेश्तर, तुज बिन;
ऐक आफ़तथी, रातभर तुज बिन.
मेरे हक़में तो थो: ही, दोज़ख़ हय.
સ્વર્ગ
थी में खुल्दमें, अगर तुज बिन.
कुफ़र किसका है, और क्या, इसलाम.
आप अपनी नहीं ख़बर, तुज बिन.
ઝાડ ફળ લાવનાર
है दरख़्ते उमीदवार आवर.
ફળ
उम्रका कुछ नहीं, समर तुज बिन.
દિલગીર
आ रही है लबोंपे, जाने हज़ीं;
दमका दममें नहीं, असर तुज बिन.
સાથી
तू है और आह ऐक हमदम है;
कौन लेजाये यहां, ख़बर तुज बिन.
સાત મુલક
गर मैं सुलताने हफ़्ते किशवर हूं;
પણ ચોક્કસ માશૂક
लेक मुफ़लिस हूं सीमबर तुज बिन.

ग़ज़ले ग़ालिब २५०

જેની આકૃતિ બીજે કોઈ ન હોય
हेगा न नाले अदा उस बुते लासानीमें;
નામ કેનઆનના રહેવાસી
ऐकभी बात नथी, यूसुफ़े कनआनीमें.
इशक़में देताहूं उस लैलीके हायरी जंको.
કાંથયો કોયવો નામ જંગલની રહેનાર
हस्त रस है ये: कहां कैसे, बया बानीमें.

(આકાશે પુખ્તું)
चरख़ने पुख़्ते महताबको डानोंमें दिया;

(પોકાર) (જોશ)
शोरिशे यहां तक है, मेरे अश्कको तुग्यानीमें.

(ગાળો)
अब मुरव्वतकी फिरे, जबसे वो निकले दुश्नाम;

क्या मसीहाई है, उस लबसे, जरफ़शानीमें.

(કામ. તલવાર)
कार शमशीरका करता है, ख़याले अबरू;

(હમેશા)
दाग़ उसका है अज़लसे, मेरी पेशानीमें

पेहनकर होवेगा ख़ुशहाल, दुशाला कोई;

(નાગાપણું)
हमली हैं शाह अय ग़ालिब, ऐसी उरियानीमें

ग़ज़ले मुसहफ़ी. २५१

जबके सरोदे जूआंमें, गोमिरहगियां शांकी जबल;

साथ फ़कीरकी   छोलके अजरछमछमियां रंगीजबल.

(મજલિસ) (નુકશાની)
नाला कशीसे रात वो, गुलशन रश्के जबम दिश्त-

(ચોંચો) (વાણું) (થઈ)
भिनकारें मुरगाने चमनकी, सुब्ह तालक ब्रूवीनजबल.

रअन रकीश जबन नलती निनदन आये मुझको;

(પલંગીઓ)
आंखें परवानोंके परोंकी बजके सरे बालीन जबल.

जबले मिलने नाजुक तेरा निनदन ऐ यरदाये उसगुलकी;

बालियां वो पतींसे छिलकर रात सरे बाली जबल.

मैं न तुझे कहताथा, जहर मैंप्यानेकी राह नचल;

आख़िर तुझपर रस्तेहीमें, तालियां वो पीनजबल.

(વગાડનાર)
आजे बजतरीको के मलायेत, मरगयाले आरिफ़तेरा

नोशते क्याक्या शाहीकी, मरकदपे दौलतजईनजहां.
शाह आखिर होनेका यहकाम, मुस्कुरी तुझसेकयापैकहूं;
जान निकलगई तनसे, जाके तीनपहरपरतीनजहां.

ग़ज़ले अहसन. २५२

सुबहसेशामतलक ताज सफ़र रोते हैं;
अश्क आंखोंके हमारे येह गोहर होते हैं.
जब्र करता है रकीब हमपे तो क्या होता है;
નામ. જબ્ર.
सामेरीके कहीं मूसापे सेहर होते हैं.
जे पढ़ा छोड़ा बुतोंके जब कहे हैं शकया;
પગાર ફૂળનારાડ.
क्या जहांमे नहीं बेसमरा, शजर होते हैं.
છુપવાની જગ્યા.
छिसक़दर रोते हैं शबहूं जे हमींमे जकर;
नालासे गिरया, व गिरयासे असर होते हैं.
દુશ્મન.
अदू जलते हैं तेरे शेरको, सुनकर अहसन;
दोस्त कहते हैं कहीं ऐसे शेअर होते हैं.

ग़ज़ले वली. २५३

મુરાદમાથી.
खुश क़दा दिलको, बंद करते हैं;
नाम अपना बलंद करते हैं.
अपने शीरीं सुखनको देके रिवाज;
सारा बाज़ार, क़ंद करते हैं.
जिसको बेताब, देखते हैं उसे;

અપને ઊપર પસંદ કરતે હૈં.

અંદ કરનેકો, આશિકોંકે સદા ;

લુત્ફ અપની કેમદ કરતે હૈં.

એ ઘલી એકે હૈં, બલંદ ખ્યાલ;

શેફ્ર તેરા, પસંદ કરતે હૈં.

ગઝલ સોહા. ૨૫૭

ક્યું ન તરુડીને દિલ મૈ, યાર કહું યાન કહું;

નાલા અકર પસે, દીવાર કહું યા ન કહું.

સુનલે એક બાત મેરી, તુકે રમક બાકી હૈ;

ફિર મજનુન તુઝસે, સિતમગાર, કહું યાન કહું.

નાસેહા ઉઠ મેરે, બાલીંસે, કે દમ, રૂકતા હૈ;

નાલા દિલ ખોલકે, દો ચાર કહું, યાન કહું.

જાને શીરીમેં વોહ ઝોર, દિલ હમેશા ઘેલેરીઓક;

ક ધડકતા હૈ કે, બેદાર કહું, યા ન કહું.

સખ્ત મુશ્કેલ હૈ, મૈં સૈયાદસે અકર યારો.

કકેરે મુરગાંને, ગિરફ્તાર કહું યા ન કહું.

હાલ બાતિનકા, નુમાયાં હૈ, મેરે તાયેરસે ;

મૈં નબાં અપનેસે, ઈઝહાર કહું યા ન કહું.

મોસીમે ગુલફીમેં, સૈયાદસે અકર યારો;

હૈ નબાં મેરી લી, ગુફ્તાર કહું યા ન કહું.

मक़दूर था तुझसे तो, जर उम्र वफ़ा करनेका ;
इन सुलूकोंपे, इक़रार करूं, या न करूं.
कूयमें यारको मैं रश्के चमन मैं सौदा ;
जाके जा दीजिये जूंआर करूं, या न करूं.

ग़ज़ले सिराज ૨૫૫

अबलकी तुमने भूल गये, मेहर बानियां ;
लाने लगे हो रोज़की, तग़ाफ़ुलकी बानियां.
क्या होयगा सुनोगे, अगर कान धरके तुम.
જુદાઈ
गुज़री बिरहकी रात, जो मुझपर कहानियां.
दामन तलक भी हाय, ज़रा दस्त रस नहीं;
क्या ख़ाकमें मिले है, मेरी जां फ़िशानियां.
दाग़े फ़िराक़ लालसों, बाग़े ख़याल है;
रेह गई हैं मेरे जिगरमें, तुम्हारी निशानियां;
मुझ दिलके कोह, तूरका सुरमा किये हो तुम;
કદાપણ તું મને ભૂલેશે નહીં.
बाक़ी हैं अब तलक भी वही, लन तरानियां.
તલવાર.
शायद किसीके क़त्लकी, होती है मसलेहत.
ઈશારો.
रम्ज़ इन तेरी निगाहकी, सब हमने जानियां.
कबलग रखा रखोगे, तग़ाफ़ुल सिराज पर ;
अब छेड़ दर भी खूब नहीं, सरगिरानियां.

रदीफ़ वाव.

ग़ज़ल येयकूं. २५६

अपना दीदार, वोह दिखलाये तो, क्या अच्छा हो;
दिले बीमार शिफ़ा पाये तो, क्या अच्छा हो.
ये सबा तु वो: गुले बाग़े, नुबूवतको सलाम;
मेरी ज़निबसे जो पोंहचाये तो क्या अच्छा हो.
जाके पाये शेह लोलाक, अरज़ है छेडसीर;
डी मिया येह मेरे हाथ आये तो क्या अच्छा हो.
रश्के गुलज़ारे जिना रोज़ये, शाहदी है;
हज़रत आलायहका पोंहचाये तो, क्या अच्छा हो.
सर मेरा इश्कमें, उसनूरे ख़ुदाके हमदम;
सूरते शम्अ जो कट जाये तो, क्या अच्छा हो.
जिसका साया नहीं यारो वोह, हुमाये दीदा;
साया सरपर मेरे हो जाय तो, क्या अच्छा हो.
जिस्के मिलनेसे ख़ुदा येह, जहां मिलता है;
ये यकू वोह तुझे मिल जाये तो, क्या अच्छा हो.

ग़ज़ल. २५७

हैजडर उस्के रुखे ज़ेबाको;
ग़ज़लने पुरने किया गिरेबांको.
उस्के होठोंके आगे, कुदर नहीं.

લાલ ફિરજએ, ગર જહાંગીરાંકો·
શિકારમારનાર·
આંખ તેરી શિકાર, અફગન હે;
બંગાલ·
ક્યું ન લાગે ફિરન, બિયાબાંકો·
ગરમ હોકર ન સોએ, યારકે સાથ·
છાતી·
આગ લગજએ ઉસ, શિપિસ્તાંકો·
યાદ આતી હે સૂરતે, યૂસુફ;
ખોલકર દેખતે હેં, કુરઆંકો·

ગજલ·૨૫૮

જે સૂંઘે ઉસ ગુલતે, જાકે પૈરહનકી બો;
ફુલ· ફુલ·
ખુશી આવે કબ ઉસે, નસ્રીનો નસ્તરનકી બો·
ખુશબોદાર· આશક·
દમાગ ક્યું ન મોઅત્તર, હો બુલબુલે શેદા;
હર એક ગુલસે જો, આતી હે, પૈરહનકી બો·
ખ઼ત આ ગયા તેરે ચેહરેપે, એ ગુલે ખંદાં·
બચપણ·
ગઇ મિજાજસે, અબતક ન, બાલેપનકી બો·
જો બૈઠા આનકે, મહ્ફિલમેં વોહ, પેરામનકૂં;
મજલીસ·
ઉઠે વોહ મસ્ત ઉસી, વક઼્ત અન્જુમનકી બો·
નિશાની જબ તેરે ઝુલ્ફોંકી, લેગઇ હે સબા;
શેહેર· શેહેર·
ખ઼તાસે આતી રહી, નાફ઼ેએ ખુતનકી બો·

ગજલે નિયાજ઼·૨૫૯

ઇશ્કમેં તેરે કોહે, ગમ સરપે લિયા જો હોસો હો;

ऐसी निशानी जिंदगी, छोड दिया जो होसो हो.

अकलके मदरसेसे, हो छिडके मैकदेमें आ;

जामे इश्का पके खुदी अज तो, पिया जो होसो हो.

दागकी आग लग, गई पुंजा तरहसा जलगया;

સામૂન.

रख्ते पुंजू दे जलो, तन कुछ न बचा, जो होसो हो.

फिकरकी सब मुसीबतें अरज कीं उसके हजूर;

नाज़ अदासे मुस्कुरा, केहने लगा जो होसो हो.

दुन्याके नेको बदसे काम, हमको नियाज़ कुछ नहीं

आपसे जो गुजर गया फिर उसे, क्या जो होसो हो.

गज़ले सोज़. २५०

तारे हूबे सनम यातो, मुझे पोंहचा दो;

या अली दिलको, मेरे पाससे, उसके लादो.

रस्मो आहे असीरीके मुझे याद नहीं;

પાલનારાસાથ રેહનાર

जो गिरफ्तार हूं, वो हम कफसा सिखला दो.

सांस लेने दो छुरी निये, शिताबी क्या है;

जब्ह तो करते हो दुक, सब्र करो बैठा दो.

આલશીપારાસ્ત ઉમોઈ

मुग़ बच्या जोर, तपकी तो नहीं तुमसे अब;

आतशी छिडके तो दामनसे लला लडका दो.

दरद सोज़ है दुन्यामें गरीबोंकी मिसाल;

शाअरी तुमको, मुबारक रहे, मै उस्ता दो.

ગઝલેસોઝ: ૨૬૧

મેરી જાન જાતીહૈ, યારો સંભાલો;
કલેજેમેં કાંટા ચુભા હૈ નિકાલો.
ન ભાએ મુઝે ઝિંદગાની, ન ભાએ;
મુઝે માર ડાલો, મુઝે માર ડાલો.
ખુદાકે લિયે, એ મેરે હમ (શાબતીઓ) નિશીનો;
યેઃ બાંકા જો જાતાહૈ, ઉસ્કો બુલાલો.
અગર વોહ ન આવે, તુમ્હારે કહેસે;
તો મિન્નત કરો, ઘેરઘેર બુલાલો.
અગરયે ખફા હોકે, વોહ ગાલિયાંદે;
તો ખબરદાર હો, કુછ ન બોલો ન ચાલો.
કહો એક બંદહ, તુમ્હારા મરે હૈ;
ઉસે અં કનીસે તો, બઢકર બચાલો.
જલોંકી બુરી આહ હોતી, હૈ પ્યારે;
તુમ ઈસ સોઝ કી અપને હકમેં દોઆલો.

ગઝલેનબ્ઝઃ ૨૬૨

જુદા કિસીસે કિસીકા, ગરઝ હબીબ (દોસ્ત) ન હો;
યેઃ દાગ વોહ હૈ કે, દુશ્મનકો ભી નસીબ ન હો.
જુદા જો હમકો કરે, ઉસ સનમકે કૂચેસે;
ઈલાહી રાહમેં એસા કોઈ, રકીબ ન હો.

बेजान क्या करें, हुकमा तपे, जुदाईका;
सिवाये वस्लके उसका, कोई तजवीज न हो.
नज़र अपना तो माशूक़, खूब सूरत है;
जो हुस्न उसमें है, ऐसा कोई अंजुमन न हो.

ग़ज़ले शाहां २५३

सुने तुम्हारी जो ऐसी बातें, कहां है ऐसा दिमाग़ हमको;
समझकी बातोंमें हूं सरह है, नहीं है अब तो फ़राग़ हमको.
चमकरहे हैं सितारे शबको, अजब तरहकी बहार देखो.
प्यारा आया है घर हमारे, तु भरदे साक़ी अयाग हमको.
अगरचे गोहर सा सामने था, मगर वो हमको नज़र-
अंधेरी रातोंमें जूलते थे, जलाइया है चराग़ हमको.
तुम्हारी ख़ातिर हमारे प्यारे, जरह तो देखो किया है क्या कुछ;
लरउते फ़िरते थे रात औ दिन मिला है, अब तो सुराग़ हमको.
उसीकी दौलतसे ऐश घरघर, कहां है ऐसा जलाले शाहां;
शहे सिकंदर सवार होवे तो क्यूं न जंगाल हो लाग़ हमको.

ग़ज़ले नूरशाह २५४

जलाया आप हमने बख़्त, करकर, आहे सोज़ंको.
जिगरको सीनेको पेहलूको, दिलको जिस्मको जांको.
हमेशा कुंजे तनहाईमें हम मूनिस समझते हैं
अलमको यासको हसरतको, बेताबीको फ़िरमांको.

तेरे अबरूने क्या कुछ खुब्बी, रूख्से है मिलबस्त;
चमनको मरगोलाको, सरवको सुंबुलको रहांको.

लगाके ज़िनज़िनको, हूं दिलमें तेरे हाथोंसे मैं क़ातिल;
कटारीको छुरीको खांडेको, खंजरको पैकांको.

तेरे दंदांनो लबने कर दिया, बेकदर आलममें;
गोहरको लालको याकूतको, हीरेको मरजांको.

लड़ाकर आंख उनसे, हमने दुश्मन कर लिया अपना;
निगाहको नाज़को, अंदाज़को, अबरूको मिज़गांको.

नहीं कुछ कुल दोआ देता है, शीशा हम अब हमसाक़ी;
सबूको खुमको मैको, मैक़दहको, मै परस्तांको.

न हो क्यों तूही ऐसाक़ी, भला फिर क्या करे कोई;
हवाको अबरको गुलको, चमनको सहने बुस्तांको.

बनाया ऐ ज़फ़र, खालिक़ने कब, इन्सानसे बहतर;
मलकको देवको, जिनको, परीको, हूरो गिल्मांको.

ग़ज़ले ज़िसाना २६५

जो दिल सदा उस शम्अपर, परवाना हो परवाना हो;
दिल को बहारे हुस्नका दीवाना हो, दीवाना हो.

ऐ दिल अगर मंज़ूर है, यहां आशनाई ग़ैरकी;
हर आशनासे ग़ैरके, बेगाना हो बेगाना हो.

[illegible] तरह [illegible] जाता है यो मस्तानह;

ऐ दिल तडफ तुं अपर तरफ, मस्ताना हो मस्ताना हो.
मेरे हुस्नको मेहरसे, सुनता है वोह रंगीं अदा;
ऐ सर गुज़श्ते आनो दिल, अफ़साना हो अफ़साना हो.

गज़ले नईरशाह. २६६

कहूं क्या रंग उस गुलका, अहाहाहा, उहुहुहु;
क्या रंगे चमन सारा, अहाहाहा, उहुहुहु.
नमक छडके है, वोह जिस जिस मज़ेसे दिलके ज़ख़्मोंपर;
मज़े लेता हूं मैं क्या क्या, अहाहाहा, उहुहुहु.
शरारो बरकमें क्या, फ़र्क़ समझूं मैं के दोनोंमें;
है एक शोला तलूकासा, अहाहाहा, उहुहुहु.
भला गरदान हो, साक़ीके जामे इश्क़से तुझको;
दिया घूंट उसने एक ऐसा, अहाहाहा, उहुहुहु.
मेरी सूरत परस्ती, कुफ़्र परस्तीकी, कहूं क्या मैं
के इस सूरतमें क्या देखा, अहाहाहा उहुहुहु.
जुदा अने क़तायत क्या है, आबे तेगे क़ातिलमें;
लबे हर ज़ख़्म है, गोया, अहाहाहा, उहुहुहु.
नईर आलम कहूं मैं क्या, तबीअतकी रवानीका;
है एक उमडा हुवा, दरिया, अहाहाहा, उहुहुहु.

गज़ले फुरखत. २६७

फिरता हूं तुझ बगैर, मैं होके दिवाना कू बकू;

नाम

कूर बरोक़र देह बदेह, आना बआना हू ब हू.

घरे वोह जिस्म रूह से, दिल आह हुवा हो, बे असीर;

कूज़ू ब कूज़ू फ़म बफ़म, पेच ब पेच मू ब मू.

याने नसीम सुबह दम उस्से, कुमेन आ अद-श्री;

दस्त ब दस्त लब ब लब, सीना ब सीना रू ब रू.

ये अगे हे हम ने नौहागर, पों हुवे हैं, अश्क चश्म तर;

દરિયો· દરિયો· નદી·

जूहू ब जूहू यम ब यम, नाला ब दजला जू ब जू.

ભણાઆહેડરાર·

उसकी तलाश में सदा, फिरते हैं हम, पुर अनतिज़ार;

બાબ (બેડો) દરવાજે· ગલી· નહેર·

बाब ब बाब दर बदर, कूचा ब कूचा सू ब सू.

देखा चमन में गुलबदन, जब वो गया थे बाग़ आ;

ડાળી·

शाख़ ब शाख़ गुल ब गुल, गुंचा ब गुंचा बू ब बू.

ग़ज़ले कुंवर. २१८

हमपे डरे है नित सितम, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ;

मुझपे नहीं है वोह करम ताज़, ब ताज़ नौ ब नौ.

उसकी कुधाड़ी है गिरां दिल्ले, हमारे रो न रोव;

डरते नहीं है दर्दो ग़म, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ.

जैसे सनम तुपुर जफ़ा, मुझसे न हो, तु पर बे वफ़ा;

तुझको फुधड़ी है क़सम, ताज़ ब ताज़ नौ ब नौ.

मुझपे [illegible] तुक अते है, [illegible] निपट है बेडली;

[illegible] है ग़म, ब ग़म, ताज़ ब ताज़, नौ ब नौ.

મહેબુબ.
જીસ્કે કુંવરકે ગમ ખાયા, ઉસ્કો કરે તૂ ખુશ સદા;
પઢકે ગ઼ઝલ તુમ જરમ, લાજ઼ જ઼સાફ઼ નો જનો.

ગ઼ઝલે નૂરશાહ. ૨૬૯

ખાધ઼.
હાલે કુદરત ક્યા લિખૂં, તુમ આપ આકર દેખલો;
પર નહીં મુઝકો મેરે પ્યારે, બુલાકર દેખલો.
બેકરારી દિલકી મેરી દેખની મંજૂર હૈ;
મારો.
તો મિયાં સીમાબ, થોડાસા મંગાકર દેખલો.
આપકી બુલબુલયેગી મેરી, ઘેન્લે લરી આપપર;
હાથમેં અપને ગુલે નરગિસ, ઉઠાકર દેખલો.
વરસાદ.
ચશ્મે તરકો આપ જ઼, કમ જ઼ાનતે હૈં અબ્રસે;
સામે.
તો મુક઼ાબિલ અબ્રકે, મુઝકો રુલાકર દેખલો.
વગર
આપ બિન સો જ઼નો, ગિર્યાં ઝિસ્તર હૈ કરતી હૈ યત;
શમ્અ જ઼ોમી બઝ઼મમેં, અપને બુલાકર દેખલો.
મૂજ઼મૂ હાલે પરેશાં, તુમ અગર દેખો મેરા;
આઇના જ઼ાનેમેં અપની, ઝ઼ુલ્ફ઼ આકર દેખલો.
આપકે બિન નૂરકી હૈ શકલ, બસ મેં ક્યા કહૂં;
કૈસકી તસ્વીરકા, નક઼શા બિંચાકર દેખલો.

ગ઼ઝલ. ૨૭૦

શાહેદ. ઘરે ઘર. ગોઠવે શેરી.
જુલ્ફ઼કે તેરે હૈં ગયા હૂં જાના, બેગાના હૂં જ હૂં;
દિવાનાગી.
જ઼ કે દિકહુ દારપાક, બાના બેગાના હૂં જ હૂં.

तुझको ढूंढ़ता थाके धोम ढूंढे नहीं है घर न घर;

અધારેની

फिरती है चारे मुल्क, गाह आना न आना हूं न हूं.

दिलसे उठाके हल्ले सब्र, मुझसे मचूंगा, फिर जा भूं;

पुछूंगा अपना मैं, गुनाह आना न आना हूं न हूं.

દુનિયા

रखी है मैसी दुन्याने, तुझसे मेरी खोजा मेलत;

અંપન ઘુરી

मांगे है ईश्कसे पनाह आना, न आना, हूं न हूं.

ઉનેસાઈ ગુનાહ

सोंपूं कि किसको मुन्साफी, कुसूर रखे है मेरे सर;

तंग हुई दिल तुझको, राह आना न आना हूं न हूं.

गज़ले यकीन. २७१

गिरह आलो न जुल्फ़े, यारके शानेको मत छेडो;

जुनूंके दिलके बखरोंसे, दीवानेको मत छेडो.

તનથી

उठे तरके अदब करता है, माशूक दोजी खिदमतमें;

मुसलमानो खुदासे डरके, बुतखानेको मत छेडो.

जली जलता है बल येक दम, तो अपने दो बिचारेको;

कुछ उसके रौशन करो, मतशम्अ परवानेको मत छेडो.

यह मेहराबे नमाजे जो खुदी है, शाह दो समझो;

खुदाके वास्ते मस्तों के, मैखानेको मत छेडो.

રેહવાનીજગા

सता ओ मत, यकीं डारिलके, ये खूनों का मेहकन है;

खुदा जाने के क्या होवे, उस परी खानेको मत छेडो.

ग़ज़ल २७२

मयपरस्ताज़ी है सब ऐबकन, अहाहाहा ऊहू हुहू;
ग़ज़ब आलम है मस्तीका, अहाहाहा ऊहू हुहू.
कहुं … की लडानेपर, लगे खंजर दीवाने.
कुया थोरे मुझे आरपा, अहाहाहा ऊहू हुहू.
न देखा ख़ून आंखोंने, कली ऐक अश्कका क़तरा;
रंगा है उसने सब दरया, अहाहाहा ऊहू हुहू.
मेरे घर उस ज़मांमें, साक़ियो मुतरिब अगर होते;
तो कैसी मैं ख़ुशी करता, अहाहाहा ऊहू हुहू.
किया जे दानसे आशिक़ को, तूने क़त्ल मे ज़ालिम.
कोई करता है काम ऐसा, अहाहाहा ऊहू हुहू.

ग़ज़ले सोरा. २७३

बुल बुलां सब रोते, आये बाग़मां होरी खिलियो;
आंसुये शबनम सितीं होके, नहर भर दीजियो.
ये: पसीयत करके, बुलबुल बाग़बांसे, मरगये;
कह गये मुझको ग़ुसल लहूसे, चमनपर दीजियो.
बाद मेरे दफ़नके, तू कूल पेठा याहे अगर;
जो दुकर हुर जीये, काहको साकू मिट्टी दीजियो.
फिर कुछ याजीस करके, आके तुरबतपर मेरी;
डालते हाडी नज़ेपर, ताज़ी गुलकी झीकियो.

[illegible] मुद्दतों से सौदा है सर में येह (મકૂવાલ) पा नरा;
जानक्युं ख़बर नहीं, कुछ तेर उस्तादी नथी.

ग़ज़ले ग़ुलामे अहमद २७४

मैं दिलबर अज़ब तू भी है माहरू
न है तेरे मानिन्द कोई, खूबरू.
तकल्लुम (ચાલચીત) करे क्या कोई तेरे साथ;
तेरी तो फ़सीह (ચપલ) है, सभी गुफ़्तगू (ચાલચીત).
न मुश्के खुतनकी है, खू इस्तरह;
जो है तेरे ज़ुल्फ़े, मोअंबर (અંબર જેવી ખુશબો દ્યો) की बू.
न सानी (બીજો) है तेरे, जहांमें कोई;
तेरा जो रोह, नेकुयां खुब्रू.
खुदा जो के लमहा (પલ), न कर जो सनम (માશૂક);
हमेशा येह अहमद को, रंज रू बरू

रदीफ़ हा

ग़ज़ले साहेब २७५

गर तुझे कत्ल है मंज़ूर, चल आ बिस्मिल्लाह;
तेग़ (તલવાર) मौजूद (તૈયાર) है हाज़र है, गला बिस्मिल्लाह.
हम तो हाज़र हैं, न डरते हैं, तेरा हुकम क़बूल;
जो ने दिल तूंभी पिलाता है, पिला बिस्मिल्लाह.
[illegible] के मुलाक़ात, मुझे कब हो नसीब.

जुदाई
हिज्रमें तेरे मेरा दिलतो गया बिस्मिलाँह.
उल्फ़तमें ख़ून नहीं, अनका देना बिस्मिल;
तडपने तड तो क्या पडतू, अला बिस्मिलाँह.
ध्यान ... मारफत
गर तसव्वुर है तुझे हालपे साहेबके सजन;
गम दिलका तु मजउरके, सिला बिस्मिलाँह.

ग़ज़ले मुस्ताक़ २७६

જગતમાં ... બેતાકત ... કે સમુ ખુદાના
क्या जगमें तडपता दिले, बेताब है यलाँह;
પારો
सीमाब है, सीमाब है, सीमाब है यलाँह.
સુરજ
ताबे हमे दिलदारसे, हम ताब हो ख़ुरशीद;
ચમક
क्या ताब है, क्या ताब है, क्या ताब है, यलाँह.
हुं पंजमे मिज़्गामें, तेरे गौहरे आंसू;
જેમ મોતી ... અણમોલ
नायाब है, नायाब है, नायाब है, यलाँह.
તલવાર ... તરસ્યા
कहता है वोह शमशीर, पिया तिश्ना लबोंको;
પાણી ... તેજ
क्या आब है, क्या आब है, क्या आब है यलाँह.
मुस्ताक़ हमें करके, तले आजे, ब नाब आप;
आदाब है, आदाब है, आदाब है यलाँह.

ग़ज़ले मुरव्वत २७७

આજ રાત
उप रात सिवीका कुलकी, क्या याल है यलाँह;
क्या रात है, क्या रात है, क्या रात है यलाँह.

હાથે મેંદી લગો.
...सैयां जिस्ने दिया, दस्ते हिनाई;

...हाल है, क्या हाल है, क्या हाल है, यहाँ ह.

છાતી.
...स है जख्मी डा, जो जिलरा हुवा सीना;

...घाल है, क्या घाल है, क्या घाल है यहाँ ह.

ગાળો / હોઠો
दुस्नामडा पाया जो, मज़ह उसके लबोंसे;

દાદ.
सल्याल है, सल्याल है, सल्याल है, यहाँ हु.

जुरअतकी ग़ज़ल जिस्ने सुनी, उस्ने कहा वाह;

क्या ज्ञाल है, क्या ज्ञाल है, क्या ज्ञाल है यहाँ ह.

ग़ज़ले सोहा. २७८

જુલમ.
ग़ैरपे नित है करम हमपे सितम वाह वाह

देख लिया बस तुम्हें हमने सनम वाह वाह.

મેહરબાની. / જુલમ. / ખુશી.
मेहर करे या जफ़ा जिस्में, हो उसकी रज़ा;

जिस्की रज़ामें सदा गुज़रे, जो दम वाह वाह.

લીલું / ખેતી. / દુન્યા
सब्ज़ किया किश्तको, अबरसे के आलमको तु;

हुक्म दो इधर भी कहूं अब्रे करम वाह वाह.

ઘર. / પીઆલીઓના.
जानके मयकदेकी देज ताक जिनाको मेरी;

વચનામૃત.
कहते हैं जिन साकिने दैरो, हरम वाह वाह.

कहने लगे जो कोई रेखता, सोहाकी तरह.

ખુશદિ. / આફરીન.
लिखे कपोलसे होता लौहा, कलम वाह वाह.

ग़ज़ले सोरठ. २

अब जुदाई को तो हे, गाली, येक ज़ार सो येक लोहड़,
रक़ीब तो डकूं डिसे हे, प्यार सो ये: लोहड़ा.
चुपके तो भरी दिलमें, बोले तो ज़बां ऊपर,
बापोरीमें येक ज़ूजी, गुफ़्तार सो येक तोहड़ा.
उस दिलको दिया क्युंकर, तुम इश्ककी तपसे हो;
आख़र करून अपना, बीमार सो येक तोहड़ा.
फ़रहमके लई फ़ुरसतसे आये हैं, जलमें मुझको.
ग़म अपने की वोह सूरत, ग़मख़्वार, सो येक तोहड़ा.
अब रोज़की सब धनपर क्युंकर न हसें दिदां;
डाढी है सो वोह नादिर दस्तार सो येक तोहड़ा.
सुन नज़्मको सोदा की मुंह फेर लगा केहने;
आइदकमें वोह रोहरा, अश्आर सो येक तोहड़ा.

ग़ज़ले सुलतान. २९०

मेरु और नालओ शबगीर है अल्लाह अल्लाह;
ग़म है और येक दिले, दिलगीर है, अल्लाह अल्लाह.
दर्द सीनेमें मेरे याद है, उस डाढीवकी.
नोके मिज़गां है, और तीर है, अल्लाह अल्लाह.
यादकर तुझको मैं इस वोह जलामें डूबा.
ख़्वाजे यूसुफ़की येक तासीर है अल्लाह अल्लाह.

...ऐसे दिले नाशादको, भुलाया तुमने;
...कौनसी तक़सीर है, अल्लाह अल्लाह.
...पैराहनसे ये तरफ़, नज़र आते हो.
...हरुके येक हल्लकी तस्वीर है, अल्लाह अल्लाह.
छोड़दो ऐसे दिले दिवानेको, मत क़ैद करो.
पांव में ज़ुल्फ़की ज़ंजीर है, अल्लाह अल्लाह.
हम मरें ग़ममें तेरे तुमको, ठठोली सूझे;
क्या बुरी मेरी भी तक़दीर है, अल्लाह अल्लाह.
न तो डर है गा ख़ुदाका, न तुझे ग़ैरत है;
कठण दिल.
संगदिल ज़ालिमे बेपीर है, अल्लाह अल्लाह.
शकती, ताकत.
दिल गया हाथसे, और [illegible] सेगया, ताबो तवां;
नाज़ [illegible] कैसी, तक़्सीर है, अल्लाह अल्लाह.
चितारा.
गुंचे में हाथ मुसव्विरका के, [illegible] प्यारे;
ऐसी ऐस मुंहकी, तस्वीर है, अल्लाह अल्लाह.
तारीफ़. समारो ख़ुदे.
क्या करूं वस्फ़ तेरा, तुमको संवारा है ख़ुदाने;
नख्शमे नूरकी तासीर है, अल्लाह अल्लाह.
जबसे देखा है तेरे हुस्नको, ऐ राहतेजां;
तबसे [illegible] जहांगीर है, अल्लाह अल्लाह.

ग़ज़ले [illegible] २९१

[illegible] मदीनेकी, दिखादे या, अल्लाह;

मुझे थोड़ रोज़, ग़म अग्यार, जलाते थे या
महीनेसे केदि आता है, निकल दिल घरसे जल्द
रहूं मैं दिलमें इस तरह, बुलालो या, रसूलल्लाह
मुक़र्रर कुछ, न सामां है, मेरा हाले, परेशां है
मुझे तुम दीन, दुन्यामें, संभालो या, रसूलल्लाह.
न कोई बख़्शिशी, जाहिल है, न तुम बिन कोई शफ़ीक़;
सहारा आप, के हमका, है मुझको, या रसूलल्लाह.
तुम्हारी ज़ात रहमत है, तुम्हें ख़ल्क़ने, शफ़ाअत है;
मुझे तुम रोज़े, महशरमें, छुड़ायो या रसूलल्लाह.
तुम्हारा नाम है प्यारा, तुम्हारा काम है न्यारा.
मुझे तुम हक़ तआलासे, मिलायो या रसूलल्लाह.
गुनहका बोझ भारी है, नेहायतमें, ज़ारी है;
अज़ाबोंसे, क़ियामतके, बचायो या रसूलल्लाह.
मेरी कुल हाल, मुश्किल हों, मुरादें मन की, हासिल हों;
तरा अरमान है दिलमें, दिलायो या रसूलल्लाह.
कठिन अब वक़्त है मुझपर, कहां पोरी दा है, तुमपर;
मलायक कहते हों दरबां, अयां होया, रसूलल्लाह.
बड़ा रोरो कहूं ज़ारी, नयन हैं रात दिन जारी.
मेरी तुम बेल लिल्लाह बेतनी, क़बूलो या रसूलल्लाह
रहूं दुन्यामें बेनतसे, क़ियामतमें, ...

…ओंमें, हक़ीर हो या, रसूलल्लाह.

…ए, और लाए, उम्म और बेटी, मां लाए;

…रे रहमतमें, दुआ दो या, रसूलल्लाह.

…ह मोहताज, वोह ज़िस्के, दिया तालिब हैं …

हमारे वास्ते, ख़ुदा से तुम, मांगो या, रसूलल्लाह.

तवस्सुल आप का, बस है, तुम्हारी ज़ात को, बस है;

नबीयोंपर, किये अहसान, तुम हो या रसूलल्लाह.

तुम्हारे दरपे, ले आया, मुरादें मनकी सर पाया;

मुझे ली शान, ना उम्मत से, दिला दो या, रसूलल्लाह.

अता हो ख़ारे गुल वाली, मिले मुझको मकां ओजी

यही है अब दुआ मेरी, क़बूलो या, रसूलल्लाह.

ग़ज़ले मज़हर. २८२

जिस गुलको लेजना है, मुझे फ़त सजाओ हाथ;

इस वास्ते लिखा है, चमनमें ह्याओ हाथ.

अरगे हिना उपर लिखो, अहवाले दिल मेरा;

शायद कली तोड़न लगे, उस दिल दुखाओ हाथ.

आज़ार हो रहा हूं, दो आलम के दरसे;

मीना लगा है अबसे ती, मुझ बेनवा को हाथ.

डरता हूं मीर आये तेरी, देख कर ज़हर;

[illegible] हाथ बूरी है, पैमा सजाओ हाथ.

मज़हर छिपाके रंज दिले, नाकुछ म
येह शीशा बेचना है, किसी मीरज़ाके

ग़ज़ले सोज़ २८३

बस दिले नातवान, बस चुप रहे;
रोरो मत ओ तु बन, बस चुप रहे.
गुल नज़र गुल नज़र के तेरी आह;
पोंहची ताला मकान, बस चुप रहे.
आंखें भली रहिंगी, ओ नादान;
मेरा केहना तु मान बस चुप रहे.
तेरे रोनेपे लोग रोते हैं;
बस न रो मेरी जान, बस चुप रहे.
दून हंसते हैं, तेरे रोनेपर;
मेरे गुंचा दहान, बस चुप रहे.
शेअर डाकडा हैं, शाराने हैं;
सोज़ आतशी ज़बान बस चुप रहे.

ग़ज़ले पली· २८४

दिया मुझ चैहरेने आलिम कों, आब आहिस्ता आहिस्ता
कुं आतशी गुल कों करती है, गुलाब आहिस्ता आहिस्ता
अजब कुछ सुरूर आता है, शबे वस्ल में वो [illegible]
सवाल आहिस्ता आहिस्ता, जवाब आहिस्ता आहिस्ता

रङ्गुद, तेरी आंखोंने ये आलिम;
है, शेराब आफ़्रीस्ता आफ़्रीस्ताह·
रेऊमें है आतशीं र दिल मेरा पानी;
है आतशीपर गुलाब, आफ़्रीस्ता आफ़्रीस्ताह·
घाओ नानसूं आता है वो: शैशान बनी घरसूं;
ऊ नूंमरारिङसुं निऊले आईलाब, आफ़्रीस्ता आफ़्रीस्ताह·
घली मुझ दिलमें आता है, ख़याले नानजे परया;
ऊ नूं आंखोंमें आता है, गुलाब आफ़्रीस्ता आफ़्रीस्ताह·

गज़लेसाहेब·२८५

क़िस्ऊ हर ननो दिल आऊर हो, सुभानल्लाह;
आतऊी आतमें जेलरहो, सुभानल्लाह·
ठिस्लरह हमपे लेये: औररया रख्ले हो;
कुया तुम्ही शौ करखे, दिलदार हो, सुभानल्लाह·
पिरूतर दीर तुम्हारी नथी, सुमऊिन आमतो;
दरजदर हूमओ आजर हो सुभानल्लाह·
ऊिस्तरह दिलऊो लिये तुमने मियां पेहले दिन;
अमतो यूं कऊे तलबगार हो, सुभानल्लाह·
सुलसुलें देखके गुलशनमें तुम्हें ऊहती हैं;
[illegible]हर तुम तो तरहदार हो, सुभानल्लाह·
[illegible] दिल सोज़, जो ठिम्लाज़ बयां ऊरते हो·

सच है तुम ऐसेही गमख्वार
सुनले साहेब है सुखनयार सखुन
जिसका दर तुमतो रखइरखार हो सुब्हान।

गज़ले मस्तान २८६

सोज़से हुरक़तसे है, सारे बदनमें, आबिलह;
दस्तमें पामें जिगरमें और दहनमें आबिलह.
પધારો
तुज निगाहे गरमजी, उसरतसे मेरे सरपे सिही;
मोतीये मंगुरके, निकले चमनमें आबिलह.
सोज़से रोया जो था, मैं जबरे नैसांजी नमत;
पड गये देखो सहइके, पय रहनमें आबिलह.
પરપોટા
छीन दिनोमें उया उंह, पैदा हुए जते हुबाब;
जस्मे दरयामें सेहर जेउ, दइमतमें आबिलह.
इतरह मजूरानी नहीं शबनम झीये: गुलशनके बीच;
है लरउते देखलो सरवो समनमें, आबिलह;
ऐसा नाजूक है जरे, मस्तां सनम नामे खुदा,
जेउ बोसेसे हुए याहे, लजनमें आबिलह.

गज़ले सोज़ २८७

तुम करो सैरे गुलिस्तां वाह वाह;
કેદ કેદખાનુ
हम रहें महबुसे जंदां, वाह वाह.
तुम चमनमें हम ... [illegible]

વાહ વાહ.

...ન, તુમ ઉસ્કે રહો;

...એ શાજિસ્તાં, વાહ વાહ.

આસપાસ

૨ રરયાના સાંગિરદ અગન;

...ડરે સૈરે ચરાગાં, વાહ વાહ.

...ને ઝોરે અપને પેહલૂમેં બગહ;

...હ વાહ ગોરે ગરીબાં, વાહ વાહ.

ગઝલે ગુલામે અહમદ. ૨૮૮

આપતો ફૂલ તરહ ધાર હો સુબ્હાનલ્લાહ;

ક્યા પરીઝાદ હો, દિલધાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

ક્યા કહૂં આપકી અસ, તુજ્હે મુસલસલ મુજ્હી.

અ... ત્રિકારી. ... સાફ

હમે સૈયાદ હૈ, યા માર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

ચેહરાનકી.

આપકે ચેહરએ પુર નૂરકી હો ક્યા તારીફ;

આપતો મતલએ અનવાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

ચંદ્રનું

આપકી ઝાતમેં હૈ નૂરે, તજલ્લી તાબાં;

તેજી

આપતો સાહેબે અસરાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

...મન ક્યું હોવે તુમ્હેં, દેખતે હી પુરસ્તે ઈજઉ;

વાહ ક્યા અબરૂએ ખમદાર હો, સુબ્હાનલ્લાહ.

... ... પરીઝાદસે, મગર ઈરમાઓ.

...

... ...મેં, હુશિયાર હો સુબ્હાનલ્લાહ.

अतो हरम, अ

तो मेरे मुख़्तार हो, तुम्ह.

ग़ज़ले मोहसिन २

कैसी लरज़े है, किधर आगे धरा है शीशा;

डांढा सुराहीसे

जाम लबरेज़ है, और मैसे भरा है शीशा.

देखो ठोकर न लगे, ओ होल, संभलकर आना;

चूर करके दिलको नाज़ुक, यह बना है शीशा.

सर झुकाते ही लगी शीशेको अज़दहम हिचकी;

रेह मस्तोंने मगर याद किया है शीशा.

११२२भी

रात मज़मूर मुझे आनके, मोहसिन पूछा;

दिलका किस क़ीमतों, यहां मोल दिया है शीशा.

मैं कहा कर न क्याह रसे, मिले है प्यारे;

मोहब्बत

नज़रे उलफ़तसे मगर हां ये: मिला है शीशा.

ग़ज़ले सिराज २९०

उस मन हरनकी, ज़ुल्फ़े शिकनपुर शिकनको देख;

हर अेक शिकनमें नाफ़ेअ, मुस्के ख़ुतनको देख.

अे दिल अगर है मांदगी अे राहे ग़म तुझे;

हल्केमें ज़ुल्फ़े ज़ुल्फ़के कुंजुल वतनको देख.

देखा नहीं अे गुलशनमें, उमीदकी डली;

उस गुल छेअने, गुंचा दहनके दहनको देख.

नलसे दिल मेरा;
छुटे उस चमनको देख·
मेरी जानसे, जंगल हो गया;
· राहक आज रोता है, पुरखूनके ईनको देख·
ी तरहसे नजिमे फूरेल को कहो;
कजार अपने जिस्मिले, फूली ढ़ेनको देख·
ने हम न डर, तुजाई गुडरीओ, मे सिराज;
उस तुहफोड़ी जवाईमे, रामरीर जनको देख·

ग़ज़ले समझ २८१

हुआ बे बागह है, बैसा जयागमें गुंचह;
न घरस्तरहका खिला होठि, जागमें गुंचह·
ह्याके बागके सरमें, लरी है तेरी ह्या,
तेराही जब्त रखे है, दमागमें गुंचह·
रे जे खुर्जे है जालेमें लालकी मछली·
जन है गरकूं मिनकारे, लागमें गुंचह·
याल उस रूखे रंगीका, जिस्में रहता है·
जा है तुखई मेरे, दिलके दागमें गुंचह·
रमोरी सरज गिरेबां है, युंतो जे समझ;
ये उस दहनके है हिजरो, जुरागमें गुंचह·

ग़ज़लें

मालूम रखता है, अब मेरो

ज़ाहिरी ज़ल्वा निगारका है, सब्ज़ा

दोनों ज़ुल्फ़ ख़ुश, वार है उसको क्या ख़ूब,

उस निगार सोनेको डाली है, इज़रका ताइफ़ह·

गर उठा लेवे वो: परदेको, जमाल अपने से·

चश्मे ख़ुरशीदको हो नूर, असरका ताइफ़ह·

ख़ुरके याक़ूतसे होंठोंने सीखनका है नमूद;

शाहका मीसे मिले उसमें, ज़हरका ताइफ़ह·

आलिशे ख़ुर्रां गौहरकी, न हक़ीक़त अने;

कस्के मअसूम हो, उस दरके ख़बरका, ताइफ़ह·

के मोयसैर न कली, वस्ल सनमका होतो;

अब ग़नीमत है जो नलहे ज़ाख़रका ताइफ़ह·

कोई उज़्रका नहीं, दरगाहे रसूले अकरम;

उस गुनहगारको मोहकम है, हैदरका ताइफ़ह·

वालमजीनेपूरो·

आ किताबने घणी सारी रीते सुधारीने लखीछे, तो

एमां जे छे ठेकाणे जां छे चूक रहेली नजर आवे तो वांचणार

सज्जनो माफ करशे एवी आशा छे· लाल मेटु वाळ्

लाल मंछाराम संवत १८७७ ना मागसर सुद ७ वार

पेन्टरमी [illegible]